सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 194 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 28 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पूर्व सीएम भूपेश -सौम्या चौरसिया के एआई वीडियो मामले में एफआईआर

भिलाई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और सौम्य चौरसिया के कथित एआई जनरेटेड वीडियो को लेकर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। भिलाई नगर थाना पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। यह एफआईआर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर की शिकायत पर केस दर्ज की गई है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि वायरल वीडियो पूरी तरह फर्जी और आपत्तिजनक है, जिसे जानबूझकर बदनाम करने के उद्देश्य से तैयार कर सोशल मीडिया पर फैलाया गया। पार्टी नेताओं ने इस मामले में पहले ही कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं मामले ने तुल पकड़ा तो इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर दिया गया है। इसके अलावा मामले में महिला आयोग ने सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर एसएसपी को पत्र लिखा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके अलावा पुलिस इसे बनाने और फैलाने वाले लोगों की पहचान में जुट गई है।

अनिल अंबानी से जुड़े रिलायंस ग्रुप की 3034 करोड़ की संपत्ति जब्त

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी से जुड़े रिलायंस ग्रुप के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 3,034 करोड़ की संपत्तियों को अटैच किया है। सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई जांच के दायरे को और व्यापक बनाती है। बताया जा रहा है कि ईडी की यह ताजा कार्रवाई उन वित्तीय लेनदेन से जुड़ी है, जिनमें कथित तौर पर अनियमितताओं और धन के दुरुपयोग के संकेत मिले थे। एजेंसी पहले से ही इस मामले में कई स्तरों पर जांच कर रही है। अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस ग्रुप से जुड़े इस मामले में ईडी की कार्रवाई को बड़ा कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, जब्त की गई संपत्तियां विभिन्न स्थानों पर स्थित हैं और उनकी कुल कीमत 3,034 करोड़ आंकी गई है।

इसरो का बड़ा फैसलाः अब आम भारतीय भी बन सकेंगे अंतरिक्ष यात्री

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो अब पहली बार अपने एस्ट्रोनॉट दल में आम नागरिकों को शामिल करने जा रहा है। यह बड़ा फैसला भारत के मानव अंतरिक्ष मिशनों के भविष्य को देखते हुए लिया गया है। अब तक भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के चयन में मुख्य रूप से वायुसेना के टेस्ट पायलटों को प्राथमिकता दी जाती रही है, लेकिन अब वैज्ञानिक और तकनीकी पृष्ठभूमि वाले नागरिकों को भी मौका मिलेगा। यह बदलाव गगनयान मिशन और उससे आगे के मिशनों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने सिक्किम को दी 4000 करोड़ की सौगात, कहा- यह प्रदेश पूर्वी भारत का स्वर्ग

सिक्किम का 50 वां राज्योत्सव, प्रकृति प्रेमियों से राज्य भ्रमण का किया अनुरोध

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम के राज्योत्सव के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य में भव्य समापन समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम में 4,000 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सिक्किम को पूर्वी भारत का स्वर्ग बताते हुए प्रकृति प्रेमी पर्यटकों से राज्य के ऑर्किडेरियम का भ्रमण करने का आग्रह किया।

गंगटोक में संबोधन के दौरान पीएम ने कहा कि सिक्किम श्रेष्ठ भारत का सशक्त प्रतीक है, खासकर ऐसे समय में जब देश को धर्म और राजनीति के आधार पर बांटने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सिक्किम की स्वच्छ सड़कें और शुद्ध हवा इस बात का प्रमाण हैं कि यहां के लोग प्रकृति संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

साथ ही उन्होंने जोर दिया कि पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और सरकार का मुख्य फोकस यहां कनेक्टिविटी और आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है। यह ऐतिहासिक अवसर सिक्किम के लिए बेहद खास माना जा रहा है, जहां विकास और उत्सव दोनों का संगम देखने को मिला।

ऑर्किडेरियम का दौरा और आधुनिक पार्क की झलक

अपने कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री स्वर्णजयंती मैत्री मंजरी पार्क स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा किया। यह पार्क एक विश्वस्तरीय ऑर्किड अनुभव केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जिसे सिक्किम की प्राकृतिक खूबसूरती और जैव विविधता का प्रतीक माना जा रहा है। इसके बाद प्रधानमंत्री पलजोर स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में शामिल हुए, जहां वे विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और जनता को संबोधित भी किया। इन परियोजनाओं में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, पर्यटन, कृषि और शहरी विकास जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य सिक्किम में समग्र और समावेशी विकास को गति देना है।

युवाओं के साथ फुटबॉल खेलकर भरा जोश

इससे पहले गंगटोक की ताजगी भरी सुबह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देने से पहले पीएम मोदी युवाओं के बीच पहुंचे और उनके साथ फुटबॉल खेलकर माहौल को जोश से भर दिया। सिक्किम दौरे के दौरान पीएम ने इस खास पल को सोशल मीडिया पर भी साझा किया और लिखा कि गंगटोक की सुबह में युवाओं के साथ फुटबॉल खेलना उनके लिए एक बेहद ऊर्जा देने वाला अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ खेलते हुए उन्हें नई ऊर्जा और सकारात्मकता का एहसास हुआ।

विशाखापट्नम में सीएम नायडू ने रखी एआई डेटा सेंटर की नींव

विशाखापट्नम। आज के डिजिटल युग में भारत लगातार नई तकनीकी ऊंचाइयों को छू रहा है। इसी दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को विशाखापत्तनम (विजाग) के करीब स्थित तारलुवाड़ा में 15 अरब डॉलर (करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये) के विशाल 'गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा सेंटर' की नींव रखी। यह सिर्फ एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि देश के डिजिटल ढांचे को पूरी तरह से बदलने वाली एक बड़ी क्रांति की शुरुआत माना जा रहा है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, एक गीगावाट की विशाल क्षमता वाला यह डेटा सेंटर देश के सबसे बड़े और सबसे उन्नत एआई डेटा केंद्रों में शुमार होने जा रहा है। इसका सीधा मकसद भारत के तकनीकी भविष्य को नई रफ्तार देना है। यह अत्याधुनिक डेटा सेंटर भविष्य की बढ़ती तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए की सुविधाएं प्रदान करेगा।

594 किमी एक्सप्रेसवे का पीएम नरेन्द्र मोदी कल करेंगे उद्घाटन

मेरठ ए.। मेरठ से प्रयागराज से मेरठ के बीच 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेसवे पर देश के विकास का पहिया 29 अप्रैल यानी कल (बुधवार) से दौड़ने लगेगा। यूपी के इस सबसे लंबे ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे को उत्तराखंड के हरिद्वार तक जोड़ा जाएगा। फिलहाल छह लेन वाले इस एक्सप्रेसवे को आने वाले समय में आठ लेन का किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे। 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार गंगा एक्सप्रेसवे यूपी के 12 जिले और 519 गांवों से होकर गुजरेगा। इसमें मेरठ, बुलंदशहर, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज जैसे बड़े महानगर भी शामिल हैं। एक्सप्रेसवे पर 3.5 किमी लंबा एयरस्ट्रिप भी

बनाया गया है। इस पर भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान भी आपात लैंडिंग कर सकेंगे।

गंगा और राम गंगा पर बने पुलों से गुजरेंगे लोग

हापुड़ के ब्रजघाट में गंगा पर एक किमी और इससे आगे रामगंगा पर 720 मीटर लंबे पुलों से इस एक्सप्रेसवे को गुजारा गया है। दोनों नदियों के ऊपर से गुजरते समय लोगों को अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। इसमें 381 अंडरपास, 14 मुख्य पुल, 126 छोटे पुल और 929 पुलिया शामिल हैं।

1535 अतिथि-शिक्षकों के मानदेय भुगतान को 13.81 करोड़ मंजूर

रायपुर। राज्य सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग के 1,535 अतिथि शिक्षकों के 4-5 महीने के लंबित मानदेय भुगतान के लिए 13.81 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। 20 हजार रुपए प्रतिमाह की दर से जारी यह राशि सबसे ज्यादा बलरामपुर (1.98 करोड़), कोंडागांव (1.27 करोड़) और बस्तर (1.20 करोड़) को मिली है। आंकडों के अनुसार आदिवासी और दूरस्थ जिलों को प्राथमिकता दी गई है। अतिथि शिक्षकों के मानदेय के लिए जारी आवंटन में मैदानी जिलों की तुलना में बस्तर और सरगुजा संभाग के जिलों को ज्यादा हिस्सेदारी मिली है। अकेले बलरामपुर, कोंडागांव, बस्तर, सूरजपुर और कांकेर को मिलाकर 6.75 करोड़ जारी हुए हैं।

एक मई से शुरू होगा सुशासन तिहार, सीएम साय करेंगे जनता से सीधा संवाद, होगा समस्याओं का समाधान

■ सभी जिलों के 15 से 20 गांवों में क्लस्टर तैयार कर लगाएंगे समाधान शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसढ़ में एक मई से सुशासन तिहार शुरू होने वाला है। इससे पहले 30 अप्रैल तक प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को लंबित भू-अधिकार, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, मनरेगा मजदूरी, प्रमाण पत्र जारी करने, बिजली आपूर्ति, हैंडपंप सुधार जैसे जनता से जुड़े मामले निपटाने के निर्देश दिए गए हैं। जिन जिलों में जनता से जुड़े मामले लंबित होंगे उनसे जवाब-तलब किया जाएगा। क्योंकि सीएम साय सुशासन तिहार के माध्यम से किसी भी गांव का औचक निरीक्षण कर वहां की जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं से रूबरू होंगे।

सुशासन तिहार एक ऐसा अभियान है जो प्रशासन और नागरिकों के बीच की दूरी को खत्म करके सरकारी सेवाओं को सीधे उनके दरवाजे तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर शुरू किया गया है। 1 मई से 10 जून तक चलने वाला यह महाअभियान जनता के रोजमर्रा के मुद्दों का त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित कर रहा है, जिससे शासन का भरोसा और प्रभाव दोनों बढ़ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 15-20 ग्राम पंचायतों का समूह बनाकर तथा शहरी इलाकों में वार्ड-स्तरीय क्लस्टर तैयार करके बड़े पैमाने पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में लोग सीधे अधिकारियों के सामने अपनी समस्याएं रख पा रहे हैं, जिससे समाधान की प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बन रही है।

एक माह के भीतर शिकायतों का समाधान

सरकार ने लक्ष्य रखा है कि अधिकांश शिकायतों का समाधान एक माह के भीतर पूरा किया जाए, ताकि नागरिकों को समय पर राहत मिल सके। भूमि विवाद, मजदूरी भुगतान, प्रमाण पत्र, बिजली और पानी जैसी समस्याओं का निपटारा विशेष रूप से प्राथमिकता पर किया जा रहा है। इसके अलावा उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, श्रम कार्ड और कृषि-पशुपालन सहायता जैसी सेवाएं पात्र हितग्राहियों को तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी।

चिता की चिंगारी से जला आशियाना : कोरबा में अंतिम संस्कार के दौरान चली तेज हवा, घर जलकर राख

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। सोमवार दोपहर की घटना गया जहाँ पौड़ी उपरोड़ा विकासखंड के पचरा गांव में अंतिम संस्कार के दौरान चिता से उठी चिंगारी ने एक ग्रामीण का आशियाना उजाड़ दिया। श्मशान घाट से उड़ी चिंगारी हवा के साथ उमेश सिंह के घर तक पहुंच गई और देखते ही देखते पूरा मकान जलकर खाक हो गया। हादसे के वक्त घर में मौजूद उमेश और उनके दो बच्चों ने भागकर जान बचाई, जबकि उमेश की पत्नी नहाने गई हुई थी। घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया।

मिली जानकारी के मुताबिक पचरा गांव निवासी 75 वर्षीय शिवनंदन सिंह का निधन हो गया था। स्थानीय मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान चिता से उठी चिंगारी तेज हवा के कारण उड़कर पास स्थित उमेश सिंह के कच्चे मकान तक पहुंच गई। और आग लगने की घटना सामने आई। पता जा रहा है कि घर से कुछ ही दूरी पर मुक्तिधाम है। तेज हवा और आंधी तूफान के चलते आपकी चिंगारी घर तक पहुंच गई जहां धीरे धीरे आग विकराल रूप ले लिया।

चिंगारी लगते ही उमेश का घर धू-धू कर जलने लगा। घटना इतनी तेजी से हुई कि घर के भीतर रखा अनाज, कपड़े, बर्तन, दस्तावेज और नकदी समेत पूरा सामान जल गया। उमेश और उनके दो बच्चे किसी तरह घर से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक सब कुछ राख हो चुका था।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि अग्नि दुर्घटनाओं में नष्ट हुए सामान की क्षतिपूर्ति देने का प्रावधान है। पीड़ित पक्ष आवेदन कर सकता है। हालांकि आंधी-तूफान या बाढ़ जैसी आपदा में ही संपत्ति के नुकसान पर मुआवजा दिया जाता है। इस हादसे के बाद उमेश सिंह के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। सिर से छत छिनने के साथ ही रोजमर्रा की जरूरत का सारा सामान जल गया। अब परिवार के सामने जीवन यापन की समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल मदद देने की मांग की है।

सेंट्रल छत्तीसगढ़ में लू के साथ आंधी का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में फिलहाल भीषण गर्मी का दौर जारी है और अगले दो दिनों तक तापमान में किसी बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं। राजनांदगांव 44.5एष्ट के साथ सबसे गर्म रहा है, जबकि मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में अगले 24 घंटे के लिए लू का अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि राहत की बात यह है कि अगले तीन दिनों में पारा 2 से 3 डिग्री तक गिर सकता है। इसी दौरान मौसम का मिजाज भी बदल सकता है। उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल तक बनी ट्रफलाइन के असर से कुछ इलाकों में हल्की बारिश, गरज-चमक और 40-50 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। बजली गिरने का खतरा भी जताया गया है, वहीं कुछ जगहों पर रात में भी गर्मी बनी रह सकती है।

इंडोनेशिया में भीषण रेल हादसा, 14 की मौत, राहत व बचाव कार्य जारी

जकार्ता ए.। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के बाहरी इलाके में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। अधिकारियों ने मंगलवार सुबह इसकी पुष्टि की। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। सरकारी रेलवे कंपनी पीटी केरेटा एपी इंडोनेशिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बॉबी रसीदिन ने बताया कि अब तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। सभी शवों को पहचान और अन्य औपचारिकताओं के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

यह हादसा सोमवार को बेकासी तिमुर स्टेशन पर हुआ, जो जकार्ता के बाहर स्थित एक व्यस्त रेलवे स्टेशन है। यहां एक लंबी दूरी की ट्रेन ने स्टेशन पर खड़ी कम्यूटर ट्रेन के पिछले डिब्बे में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि डिब्बों को भारी नुकसान पहुंचा और कई यात्री उसमें फंस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहतकर्मियों और आपातकालीन टीमों ने घायलों को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया। कई यात्रियों के घायल होने की भी खबर है, हालांकि घायलों की सटीक संख्या अभी सामने नहीं आई है।

बैंक कर्मचारियों ने कहा था- जिसका खाता उसे लेकर आओ तो बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंचा शख्स

■ मृत बहन के खाते से निकालना था पैसा, कंकाल कंधे पर लेकर 3 किमी पैदल चला

क्योंझर। ओडिशा के क्योंझर में सोमवार को हैरान करने वाला मामला सामने आया। आदिवासी जीतू मुंडा अपनी मरी हुई बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंच गया। कंकाल देख बैंक में अफरा-तफरी मच गई।

दरअसल, जीतू अपनी बहन कलारा मुंडा के खाते से 20 हजार रुपए निकालना चाहता था, इसके लिए वह कई बार बैंक भी गया। लेकिन कर्मचारियों ने खाता धारक को लाने को कहा। जीतू बैंक में पहले ही कलारा की मौत की

जानकारी दे चुका था। फिर भी उसे कोई मदद नहीं मिली, इससे परेशान होकर उसने कब्र से कंकाल निकालकर बैंक में पेश किया। बहन का कंकाल कंधे पर लेकर जीतू करीब 3 किमी पैदल चला। फिर मल्लिपसी में बने ओडिशा ग्रामीण बैंक ब्रांच के बरामदे में कंकाल को रख दिया। इसे देख वहां मौजूद लोग हैरान रह गए।

कंकाल देखकर बैंक कर्मचारियों ने पुलिस बुलाई

पुलिस के अनुसार, जीतू पढ़ा-लिखा नहीं है। आदिवासी है और कानूनी प्रक्रिया से पूरी तरह अनजान है। स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक (आईआईसी) किरण प्रसाद साहू ने कहा, जीतू को नहीं पता कि कानूनी वारिस या नॉमिनी क्या होता है। बैंक अधिकारी भी उसे मृतक के खाते से पैसे निकालने की प्रक्रिया नहीं समझा पाए। पुलिस ने जीतू मुंडा को आश्वासन दिया कि वे उसकी मृत बहन के बैंक खाते से पैसे निकलवाने में मदद करेंगे। बाद में, पुलिस की मौजूदगी में शव को दोबारा कब्रिस्तान में दफना दिया गया।

संपादकीय

हास्य पर बंदिश

आज सूचना क्रांति और सोशल मीडिया के दौर में पूरी दुनिया में गहरे तंज करती डिजिटल सामग्री का उफान है। जो दुनिया की भौगोलिक सीमाओं और सत्ता के शिकंजे से मुक्त होकर स्वतंत्र प्रवाह लिए हुए है। लेकिन इसके बावजूद देश में स्टैंडिंग कॉमेडियनों और व्यंग्यकारों के लिए राजनेताओं पर व्यंग्य करना तलवार की धार पर चलने जैसा बना हुआ है। 'नाक पर मक्खी न बैठने देने' वाले सत्तारूढ़ राजनेता कॉमेडियनों पर शिकंजा कसने को तैयार बैठे होते हैं। इसी कड़ी में हैदराबाद के कॉमेडियन शरत उदय के बेंगलुरु स्थित स्टैंड-अप शो में शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी के समर्थकों के एक समूह ने मंच पर आकर जो उत्पात मचाया, निस्संदेह वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। टीडीपी के समर्थकों ने मंच पर आकर उन्हें तेलुगु देशम पार्टी के नारे लगाने को बाध्य किया। इस हुड़दंग से यह कार्यक्रम बाधित हो गया। इसके चलते न केवल उदय को अपना कार्यक्रम रोकना पड़ा, बल्कि एक बार फिर माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, दो साल पहले उदय के व्यंग्यात्मक चुटकुलों के जरिये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे राज्य मंत्री नारा लोकेश को लक्षित किया गया था। निस्संदेह,यह अभिव्यक्ति व रचनात्मकता पर अंकुश लगाने का कुत्सित प्रयास ही कहा जाएगा। सही मायनों में यह घटनाक्रम हास्य-व्यंग्यपूर्ण असहमति के प्रति बढ़ती असहनशीलता का एक और उदाहरण है। गाहे-बगाहे विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा ऐसी अलोकतांत्रिक प्रतिक्रियाएं सामने आती ही रहती हैं। जबकि हकीकत यह है कि हास्य का संसार बड़े लोगों की सहिष्णुता व उदारता से ही फलता-फूलता है। खासकर उस भारतीय समाज में जहां अकसर कबीरदास की यह उक्ति दोहरायी जाती है ङ्क 'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय। बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।' उनका कहना था कि आलोचक हमारी कमियां बताकर हमारे स्वभाव को शुद्ध और निर्मल बना देते हैं। सही मायनों में व्यंग्य व हास्य इंसान की सहज अभिव्यक्ति के तौर पर लिया जाना चाहिए।

"टीडीपी के समर्थकों ने मंच पर आकर उन्हें तेलुगु देशम पार्टी के नारे लगाने को बाध्य किया। इस हुड़दंग से यह कार्यक्रम बाधित हो गया। इसके चलते न केवल उदय को अपना कार्यक्रम रोकना पड़ा, बल्कि एक बार फिर माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, दो साल पहले उदय के व्यंग्यात्मक चुटकुलों के जरिये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे राज्य मंत्री नारा लोकेश को लक्षित किया गया था। निस्संदेह,यह अभिव्यक्ति व रचनात्मकता पर अंकुश लगाने का कुत्सित प्रयास ही कहा जाएगा।

निश्चित रूप से यदि हमारे राजनेता व बड़े लोग व्यंग्य या आलोचना को सहजता से लेते हैं तो इससे समाज में हास्य-विनोद भरपूर फलता-फूलता है। विशेष रूप से राजनीतिक व्यंग्य भारत में लंबे समय तक सत्ता को आईना दिखाता रहा है। पंडित नेहरु जैसे नेता कार्टूनिस्टों की तल्ख अभिव्यक्ति को सहजता से लेते थे और व्यंग्यकारों का सम्मान करते थे। धीर-गंभीर राजनेता आलोचना को जनता की नसीहत मानते रहे हैं। कालांतर राजनेताओं की इस सोच में पराभव देखा गया है। विडंबना ही है कि वर्ष 2024 में नायडू व लोकेश पर किए गए व्यंग्य के लिये उदय को फिर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को मजबूर किया गया। यह अशोभनीय प्रयास यही दर्शाता है कि वर्ग विशेष में असहमति को राजनीतिक उद्देश्यों के लिये हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उदय प्रकरण भी इसी दुखद स्थिति के सिलसिले का हिस्सा है। हाल ही में कॉमेडियन अनुदीप कटिकाला और रफीक मोहम्मद को आंध्र प्रदेश पुलिस ने उन वीडियो के सिलसिले में गिरफ्तार किया था, जिसमें उन्होंने उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण पर व्यंग्य किया था। बीते साल मार्च में, शिवसेना कार्यकर्ताओं ने मुंबई के एक होटल में तब तोड़फोड़ की थी, जब महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पक्षद्रोही कहा था। निर्विवाद रूप से यदि व्यंग्य-विनोद पर पाबंदी लगायी जाती है और कलाकारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति को बाधित किया जाता है तो इसका प्रभाव सिर्फ एक शो को ही बाधित नहीं करता। बल्कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल सिद्धांत पर ही चोट करता है। सही मायनों में यह दिक्कत कॉमेडी करने वालों से नहीं है, बल्कि राजनेताओं के असुरक्षाबोध में है, जो उन पर लोगों का हंसना बर्दाश्त नहीं कर पाते। ऐसे में राजनेताओं का नैतिक दायित्व है कि वे लोकतंत्र में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के मर्म को समझें। इसके लिये वे अपने अति-उत्साही समर्थकों पर लगाम लगाएं। लेकिन विडंबना यह भी है कि पुलिस भी सत्ता की राजनीति के आगे नतमस्तक नजर आती है। कायदे से उसे भारतीय संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा करनी चाहिए। यदि पुलिस दायित्वों का ईमानदारी से पालन करती तो उदय जैसे कलाकारों को माफी न मांगनी पड़ती।

भारत-न्यूज़ीलैंड ने की नए आर्थिक संघ की शुरुआत
दोनों देशों के लोगों के लिए एक लाभकारी समझौता

राजेश अग्रवाल

आधुनिक आर्थिक इतिहास के अधिकाँश समय के लिए व्यापार का तर्क सरल था: तुलनात्मक लाभ। यह प्रणाली काम करती थी - जब तक कि यह समझौता नहीं हुआ था। हाल के वर्षों में, भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के साथ, व्यापार समझौतों की संरचना का फिर से निर्माण किया जा रहा है। समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के लिए, सवाल अब यह नहीं है कि एकीकृत होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह कि कितना गहराई से और कितनी तेजी से एकीकृत होना चाहिए। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर आगे बढ़ रहा है। देश ने पूर्व —इस बार भारत-प्रशांत क्षेत्र — की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। भारत ऐसे साझेदारों की तलाश में है, जो आर्थिक एकीकरण और अपने नागरिकों की समृद्धि के लिए इसके दृष्टिकोण को साझा करते हैं। न्यूजीलैंड के रूप में, भारत को बिल्कुल ऐसा ही देश मिला।

यह रिश्ता लंबे समय से बन रहा था और पहली नज़र में इसका विस्तार व्यापार से आगे तक है। लगभग 3,00,000 भारतीय मूल के लोग न्यूज़ीलैंड में रहते हैं, जो इसकी आबादी का लगभग 5 प्रतिशत हैं— ये एक ऐसे सेतु का निर्माण करते हैं, जो उतना ही सांस्कृतिक है, जितना कि आर्थिक। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि द्विपक्षीय वस्तु व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 1.3 बिलियन डॉलर पहुंच गया और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी — यह आंकड़ा तेज वृद्धि का संकेत देता है। सेवा व्यापार भी 13 प्रतिशत बढ़ गया है। दो क्रिकेट राष्ट्रों का एक साथ आना, न केवल रोमांचक है, बल्कि पहले से चल रही साझेदारी को भी रेखांकित करता है।

प्रतिस्पर्धी निर्माण केंद्रों के बीच व्यापार समझौतों के विपरीत, इस साझेदारी की ताकत इसकी पूरक भूमिका में निहित है। भारत पैमाने की पेशकश करता है: 1.4 अरब लोग, एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग और एक विश्वस्तरीय डिजिटल और सेवा अवसंरचना। न्यूजीलैंड विशेषज्ञता की पेशकश करता है: उच्च-तकनीक कृषि, सतत वानिकी और विशिष्ट निर्माण तकनीक। दोनों देशों की पूरक भूमिका ही इस साझेदारी की नींव है।

एफटीए स्पष्टता और आकर्षक विशेषताओं के साथ संतुलन स्थापित करता है। भारत ने संवेदनशील उत्पादों को बाहर रखा है, जैसे डेयरी, अधिकांश पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, कृत्रिम शहद, वसा और तेल, हथियार और गोला-बारूद, तांबा और एल्युमिनियम के सामान। शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क हटा दिए गये हैं, जिससे निरंतर मौजूद बाधा समाप्त हो गयी है: यह बाधा प्रमुख शुल्क लाइनों पर 10 प्रतिशत तक के शुल्क के रूप में मौजूद थी। यह प्रगति श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, सिरामिक और कालीन तथा उच्च-वृद्धि वाले वाहन और इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए तत्काल प्रतिस्पर्धा आधारित प्रोत्साहन प्रदान करती है। भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, अब न्यूजीलैंड के बाजार में प्रवेश कर रहा है, जो लगभग 1.9 बिलियन डॉलर मूल्य के ऐसे सामानों का वार्षिक आयात करता है और शून्य-शुल्क पहुँच की सुविधा देता है। इंजीनियरिंग निर्यात, जो दुनिया भर में 110 बिलियन डॉलर से भी अधिक हो गया है, अब ऐसे बाज़ार में भी वैसी ही गति पकड़ रहा है, जो 11 बिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। चमड़ा, दवाएँ, समुद्री उत्पाद और प्लास्टिक—ये सभी क्षेत्र जो पहले टैरिफ़की वजह से बाधित थे—अब आगे बढ़ने और फलने-फूलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारत-प्रशांत क्षेत्र में विविधीकरण और विस्तार

यह समझौता दोनों देशों को उनके पारंपरिक बाजारों से हटकर अपने व्यापार में विविधता लाने में मदद करता है। एक ओर, यह भारत को न्यूजीलैंड—जो संसाधनों से समृद्ध एक विकसित अर्थव्यवस्था है—में शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करता है; वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की कंपनियों के लिए यह न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारतीय बाजार, जहाँ 1.46 अरब लोग रहते हैं, के द्वार खोलता है, बल्कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था तक भी पहुंच सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, यह न्यूजीलैंड को चीन पर अपनी निर्यात निर्भरता कम करने में मदद करता है—क्योंकि उसके कुल माल निर्यात का 28त्न से अधिक हिस्सा चीन जाता है—और साथ ही इसकी आयात आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुदृढ़ता लाने में भी सहायक सिद्ध होता है। अब भारत की पहुंच केवल किसी एक विकसित अर्थव्यवस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसकी पहुंच दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के एक व्यापक क्षेत्रीय इकोसिस्टम तक हो गई है। इससे भारतीय निर्यातकों के लिए अधिक निश्चितता और बड़े पैमाने पर अपना परिचालन करना कहीं अधिक आसान हो गया है। यह बाज़ार तक पहुँच में बिखराव को कम करता है और उन व्यवसायों के लिए एक सुगम मार्ग तैयार करता है, जो प्रशांत क्षेत्र में अपना विस्तार करना चाहते हैं।

भारत में व्यापार-आधारित विकास कई विकल्प देता है। देश के स्तर पर, भारत-न्यूज़ीलैंड एफ्टीए से व्यापक और संरचना निहित लाभ मिलने की उम्मीद है, जो भारत के निर्यात आधार के भौगोलिक रूप से व्यापक और क्षेत्रीय रूप से विशिष्ट स्वरूप को प्रतिबिंबित करता है। गुजरात के रसायन और रत्न, महाराष्ट्र की दवाएं और वाहन कल-पुर्ज़े, तमिलनाडु के वस्त्र, उत्तर प्रदेश के चमड़े और हस्तशिल्प, पंजाब के कृषि-आधारित उत्पाद, कर्नाटक की दवाएं और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पश्चिम बंगाल की चाय और इंजीनियरिंग सामान—ये सभी बेहतर मूल्य प्रतिस्पर्धा से लाभ प्राप्त करने की स्थिति में हैं। आंध्र प्रदेश और केरल जैसी तटीय अर्थव्यवस्थाओं को समुद्री निर्यात में बेहतर मूल्य प्राप्ति होगी, जबकि पूर्वोत्तर क्षेत्र को चाय, मसाले, बांस और जैविक उत्पादों के लिए बेहतर बाज़ार पहुँच मिल सकती है। अब निर्यात में और विविधता लायी जा सकती है।

सौभाग्य से, व्यापार दोनों तरफसे होता है। भारत ने अपनी 70.03त्न टैरिफ लाइनों पर टैरिफ में ढील दी है, जबकि 29.97त्न टैरिफ लाइनों को छूट से बाहर रखा है; इसमें न्यूज़ीलैंड के साथ मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार के 95त्न मूल्य को शामिल किया गया है। उद्योग के लिए हमारे मुख्य इनपुट पर तुरंत ड्यूटी खत्म कर दी गई है। लकड़ी और लकड़ी के गूदे जैसे आयात से कागज़, पैकेजिंग, फ़र्नीचर और निर्माण क्षेत्रों को मदद मिलेगी। यह समझौता ऊन, और लौह व अलौह पदार्थों के कचरे और स्क्रैप तक पहुँच को भी बेहतर बनाता है, जिससे घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी। ये विनिर्माण को बढ़ावा देने वाले कारक हैं। इनकी लागत कम करके, यह समझौता एक महत्वपूर्ण काम करता है: यह भारतीय विनिर्माण के प्रतिस्पर्धा आधार को बदल देता है।

न्यूज़ीलैंड के लिए, हिसाब-किताब अलग है। भारत का मतलब है बड़ा पैमाना—विविधीकरण की रणनीति में एक ज़रूरी कड़ी, जो इतने बड़े मौके देती है कि कुछ ही देश उसकी बराबरी कर सकते हैं। 422 अरब डॉलर से ज़्यादा के विदेशी निवेश के साथ, न्यूज़ीलैंड की वैश्विक मौजूदगी पहले से ही काफी बड़ी है। भारत सिर्फ एक बाज़ार ही नहीं, बल्कि उत्पादन, तकनीक और मानव संसाधन के क्षेत्र में भी साझेदारी का अवसर देता है। 20 अरब डॉलर के निवेश के वादे के साथ, इस रिश्ते का दीर्घावधि रणनीतिक स्वरूप है—एक ऐसा स्वरूप जो रोज़गार पैदा करने, क्षमताओं को मजबूत करने और लेन-देन वाले जुड़ाव से आगे बढ़कर एक ऐसी साझेदारी में विकसित होने के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है जो स्थायी, अंतर्निहित और लंबे समय तक चलने वाली हो।

वस्तु व्यापार से आगे का एफटीए

शायद इस साझेदारी का सबसे अहम पहलू इसकी बुनियादी बातों पर वापसी है: कृषि। कृषि तकनीक एक मुख्य स्तंभ के तौर पर उभरती है। यह समझौता एक 'कृषि उत्पादकता साझेदारी' की रूपरेखा तैयार करता है, जो ज्ञान के आदान-प्रदान की दिशा में आगे बढ़ती है। प्रशीतन-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स, सटीक खेती और कटाई के बाद के प्रबंधन में न्यूज़ीलैंड की विशेषज्ञता, पैदावार बढ़ाने और बर्बादी कम करने की भारत की ज़रूरत के अनुरूप है। कीवी फल, सेब और शहद के लिए कार्य योजनाएँ तथा उत्पादकों के लिए 'उत्कृष्टता केंद्र' और तकनीकी सहायता, बाज़ार तक पहुँच के साथ के साथ जोड़ी गई हैं। सेब, कीवी फल और मानुका शहद जैसे उत्पादों का आयात टैरिफ़दर कोटा, न्यूनतम आयात मूल्य और मौसमी समय-सीमा के ज़रिए नियंत्रित किया गया है—ये ऐसे तंत्र हैं जिन्हें उपभोक्ता की पसंद और घरेलू सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी बनावट बहुत सोच-समझकर, लगभग सर्जिकल सटीकता के साथ तैयार की गई है। सेवाओं के क्षेत्र में, यह समझौता एक नए क्षेत्र में कदम रखता है: प्रतिभा का संस्थागत रूप देना। आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा और अन्य क्षेत्रों के कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए 5,000 वीज़ा का एक समर्पित कोटा, अस्थायी आवाजाही के लिए एक व्यवस्थित मार्ग की सुविधा देता है। तीन साल तक वैध रहने वाले ये वीज़ा, न्यूज़ीलैंड में श्रम की अनुमानित कमी—जिसके 2045 तक 250,000 श्रमिकों तक पहुँचने का अनुमान है—को पूरा करने के साथ-साथ भारत के विशाल पेशेवर आधार का लाभ उठाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। आयुष चिकित्सकों, योग प्रशिक्षकों, भारतीय रसोइयों और संगीत शिक्षकों को औपचारिक रूप से मान्यता दी गई है, जिससे कुशल पेशेवरों की आवाजाही की परिभाषा पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर और व्यापक हो गई है।

छात्रों के आवागमन और पढ़ाई के बाद काम करने के वीज़ा से जुड़े प्रावधान, पढ़ाई के दौरान हर हफ़्ते 20 घंटे तक काम करने के अधिकार की गारंटी देते हैं और पढ़ाई के बाद वहाँ रहने की सुविधा देते हैं एसटीईएम स्नातकों के लिए तीन साल तक और डॉक्टर डिग्री के शोधार्थियों के लिए चार साल तक। इन प्रावधानों को एक संधि के दायरे में शामिल करके, उन्हें घरेलू नीति में होने वाले बदलावों की अस्थिरता से सुरक्षित रखा गया है।

(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं)

क्यों होता है चिकित्सा पेशेवरों से दुर्व्यवहार ?

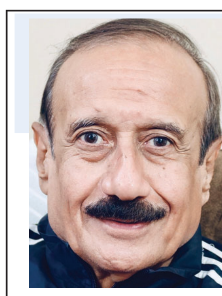

डॉ देवेन्द्र नाथ शर्मा

चिकित्सकों का समाज में हमेशा सम्मान रहा है द्य रुग्ण व्यक्तियों की शारीरिक व मानसिक पीड़ा को कम करने व उन्हें चंगा कर देने के लिए दिन-रात लगन से सेवा देने वाले चिकित्सकों की सामाजिक प्रतिष्ठा सर्वोपरी रही है। परन्तु कुछ वर्षों से चिकित्सकों व अन्य स्वास्थ्य प्रदायकों से रोगी या उनके परिजनों द्वारा मौखिक या हिंसात्मक दुर्व्यवहार के मामले तेजी से बढे हैं द्य इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार देश के 75त्न चिकित्सकों ने कभी-न-कभी मौखिक या भौतिक दुर्व्यहार का सामना किया है।

भारत अपनी जीडीपी का मात्र 2त्न ही चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च करता है। इतने कम बजट में देश के डेढ़ अरब की जनसँख्या तक मानक स्वास्थ्य सेवाओं को संतोषजनक ढंग से पंहुचाना कठिन है। सरकारी अस्पतालों व स्वास्थ्य केन्द्रों पर आदर्श संख्या में चिकित्सकों व अन्य स्वास्थ सेवा प्रदाताओं की तैनाती कम या नहीं होना, उनकी अनुपस्थिति या लेट-लतीफी दूर-दराज से आने वाले गरीब मरीजों व उनके परिजनों में असंतोष पनपाता है। इन सरकारी केन्द्रों में मरीजों को रोग निदान हेतु आवश्यक जांच सुविधाएँ, उपचार व अन्य सेवाएं की असंतोषजनक प्रदायकी, बदइन्तजामी व लापरवाही, अवैध बसूली और मरीजो के प्रति सेवा प्रदाताओं का अपमानजनक रवैय्या, ऐसे प्रमुख कारण हैं जिनसे आक्रोशित होकर रोगी के परिजन मौखिक व

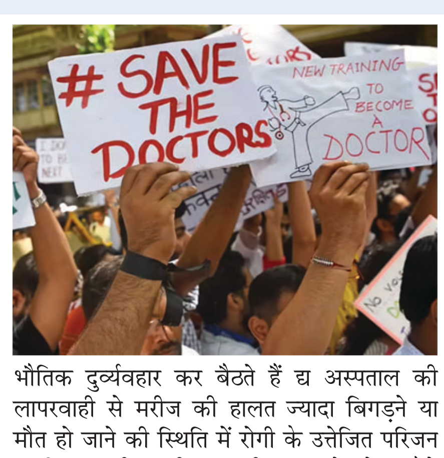

भौतिक दुर्व्यवहार कर बैठते हैं द्य अस्पताल की लापरवाही से मरीज की हालत ज्यादा बिगड़ने या मौत हो जाने की स्थिति में रोगी के उत्तेजित परिजन व मित्र कभी कभी मार-पीट या तोड़फोड़ जैसे हिंसात्मक कृत्य भी कर देते हैं द्य

सरकारी अस्पतालों के मुकाबले निजी अस्पतालों व नर्सिंग होमों में चिकित्सकों को मौखिक या भौतिक हिंसा की स्थितियों से अपेक्षाकृत ज्यादा गुजरना पढ़ता है। निजी चिकित्सा संस्थानों में रोग निदान, उपचार व नर्सिंग सेवाओं के लिए अच्छा-खासा भुगतान मरीजों को करना पड़ता हैं द्य जब वांछित परिणाम नहीं मिलता है तो उनका असंतोष कभी-कभी आक्रामकता का कोई भी रूप ले लेता है। निजी अस्पतालों में ऐसी आक्रामक घटनाएँ अक्सर गंभीर किस्म के मरीजों के जीवित या मृत अवस्था में डिसचार्ज करने समय ज्यादा होती हैं। अस्पताल में असंतोषजनक उपचार से मरीज के जीवित न रह पाने के बाद आईसीयू, रेस्पीरेटर आदि का भारी-भरकम बिल के भुगतान के बिना मृतक का शव नहीं मिलने का दबाव मानसिक रूप से मरीज के परिजनों को व्यथित कर देता है। लम्बे समय तक भर्ती रहने के बाद भी मरीज के रोग का सही निदान न हो पाने अथवा उपयुक्त उपचार के न मिलने, आयुष्मान कार्डधारी से भी अवैध वसूली करने की अवस्था में बिल भुगतान को लेकर मरीज के परिजन डिस्चार्ज के समय आवेश में आकर विवाद कर लेते हैं जिससे कभी-कभी तनातनी की स्थिति बन जाती है द्य कुछ निजी अस्पतालों के विषय में आम धारणा यह भी है कि इन अस्पतालों में अनावश्यक परिक्षण कराये जाते हैं, आईसीयू में मरीज को वगैर जरुरत या जरुरत से अधिक दिनों तक भर्ती रखने या वेंटीलेटर पर जबरन रखने की कोशिश रहती है, ज्यादा दवाइयाँ मंगवाई जाती है जबकि लगती कम हैं। ऐसी धारणाओं के चलते मरीज व उसके परिजन अपने को उत्पीड़ित व ठगा महसूस कर कभी-कभी आक्रामक हो जाते हैं। संगीन मारपीट या तोड़फोड़ जैसी हिंसात्मक घटनाएँ कभी-कभी कुछ नेतानुमा लोगों के भड़काने पर विकराल रूप ले लेती हैं। यह देखा गया है कि अधिकतर बेजा मुनाफाखोरी की नियत से संचालित निजी अस्पतालों में ऐसी हिंसक घटनाएं आपेक्षाकृत अधिक होती हैं।

आईएमए व अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदायकों के संगठनों की लगातार मांग के फलस्वरूप स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों तथा नैदानिक संस्थानों के विरुद्ध हिंसा से सुरक्षा देने संबंधी बिल को केंद्र सरकार ने 2022 में संसद में पेश किया गया था किंतु यह बिल अब तक पारित नहीं हो सका है द्य हालाकि, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आँध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल व केरल राज्यों ने अपने राज्य में चिकित्सा सेवा व्यक्तियों और संस्थाओं की सुरक्षा हेतु अधिनियम लागू किये है द्य इन अधिनियमों के तहत 3-5 साल तक की सजा तथा जुर्माने का प्रावधान है द्य किन्तु देश के सभी राज्यों में ऐसे अधिनियम लागू नहीं है द्य

क्या केवल कानूनों से ऐसा दुर्व्यवहार तथा हिंसा को रोका जा सकता है ? स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को रोगियों व उनके परिजनों की मनो-स्थितियों को समझ कर उसके अनुरूप अपने व्यवहार में सुसंगत परिवर्तन लाना होगा। ऐसी हिंसात्मक परिस्थितियों से निपटने के लिए यह तर्कसंगत है कि रोगियों, विशेषकर गंभीर किस्म के रोगियों उनके परिजनों से चिकित्सक के बीच सुसंगत संबाद एवं व्यवहार हो तो समस्या का बहुत कुछ रोकथाम संभव है। सरकारी सेवा प्रदाताओं व निजी अस्पतालों द्वारा नाजायज वसूली पर लगाम लगाना भी आवश्यक है द्य यह जरुरी लगता है कि अस्पताल प्रबंधन के पाठ्यक्रमों में ऐसे हिंसात्मक व्यवहार का सामना करने और इनसे बचाव के सुरक्षात्मक उपायों व जतनों पर प्रभावी शिक्षण-प्रशिक्षण दिया जावे। साथ ही, चिकित्सा महाविधालयों में स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में ऐसी हिंसात्मक घटनाओं से बचने, रोगी एवं उनके परिजनों से मनोवैज्ञानिक आधार पर संवाद बनाने के तरीकों तथा व्यवहारगत बारीकियों के विषय में शिक्षण-प्रशिक्षण देने का प्रावधान बनाया जाना चाहिए।

तीव्र भानु का ताप

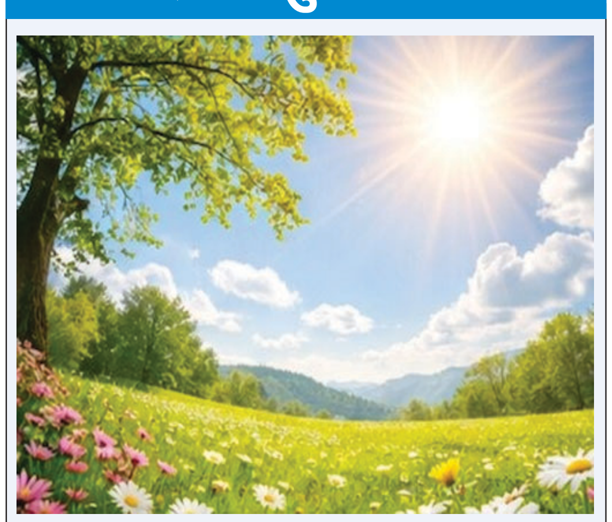

तीव्र भानु का ताप, तपन से
जलती काया।
मिले कहाँ विश्राम, वृक्ष की
शीतल छाया।।

काटे तरुवर आप, कष्ट से
डरपी झाड़ी।
अब खोजे फिर छाँव, जगत
से रूठी बाड़ी।।

शीतल बाटें पेय, सभी की
पीड़ा हरना।
सदा सकोरे साथ, नित्य
दाने तुम भरना।।

पल-पल बढ़ता ताप, प्रभो
जी! कष्ट मिटाओ।
विकल बहुत संसार, तपन
नित रोज घटाओ।।

पानी रखिए साथ, यही है
एक सहारा।
जीवन हो खुशहाल, हृदय
में भर उजियारा।।

कहती सुषमा आज, सुनो
मानव हे सारे।
हो सबका कल्याण, जीव
सब होते प्यारे।।

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल
(रायपुर)

तस्वीरों में जिंदगी का हर रंग उकेरने वाले छायाकार

राजेन्द्र शर्मा

सुविख्यात छायाकार रघु राय इस फानी दुनिया को अलविदा कह गये। अब वे भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं किन्तु अपनी गहन दृष्टि से क्लिक की गयी तस्वीरों के जरिये वे हमारे बीच हमेशा बने रहेंगे। उनकी उपस्थिति उनकी हर क्लिक की गयी तस्वीर के उस फ्रेम में है जहां सत्य है, हर उस प्रकाश में जहां करुणा है, हर उस कैमरे में है जहां ईमानदारी है। मौत का और तस्वीर के क्षण का कोई ऐतबार नहीं,कहीं भी मिल सकते हैं'- हमेशा कैमरा अपने साथ रखने की वजह इस एक पंक्ति में बताने वाले विश्वप्रसिद्ध छायाकार, पद्मश्री से सम्मानित 83 वर्षीय रघु राय गत 26 अप्रैल की सुबह इस दुनिया को अलविदा कह गये। रघु राय हमारे बीच नहीं रहे किन्तु अपनी गहन दृष्टि से क्लिक की गयी तस्वीरों के जरिये वे अदृश्य रूप से हमेशा बने रहेंगे।

बिना किसी प्रशिक्षण अपने जीवन की पहली तस्वीर एक गधे की क्लिक करने वाले रघु राय ने उपकरण मात्र माने जाने वाले कैमरे को समर्पण, सूझबूझ और सतत साधना के बल पर संवेदना,सत्य और समय का ऐसा साक्षी बनाया कि उनकी क्लिक की गयी तस्वीरें देश के जनमानस में हमेशा गहरे छायी रहेंगी। दिल्ली की गलियों से लेकर हिमालय की ऊंचाइयों तक, राजनीति से लेकर जनजीवन तक, और अध्यात्म से लेकर मानवीय संघर्ष तक उनकी तस्वीरें जनता की सामूहिक याद्दाश्त है।

पंजाब के एक आम नौकरीपेशा परिवार के रघु राय ने आजीविका के लिए सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके एक साल सरकारी नौकरी भी की। रचनात्मक सोच के चलते नौकरी छोड़ अपने बड़े भाई के पास दिल्ली आये। संयोग से बड़े भाई से कैमरा लेकर भाई के मित्र के साथ उनके गांव गये। गांव में गधे के एक छोटे बच्चे की तस्वीर लेने की कोशिश की तो वह भाग गया। रघु राय ने उसका पीछा किया। थक-हारकर जब वो बच्चा रुका तो तुरंत तस्वीर खींच ली। यही तस्वीर वर्ष 1965 में लंदन टाइम्स में छपी तो सिविल इंजीनियर रघु राय रातोंरात स्टार फोटोग्राफगर रघु राय हो गये, प्रारब्ध शायद इसी को कहते हैं। छह दशक तक रघु राय और कैमरा एक-दूसरे के पर्याय बने रहे, काम के दम पर इज्जत-शोहरत, इनाम-इकराम उनकी झोली में स्वत: आते रहे लेकिन काम करने की जिजीविषा अंतिम सांस तक रही। इन पंक्तियों के लेखक के मन-मस्तिष्क में 2023 की वे स्मृतियां घुमड़ रही हैं, जब रघु राय ने अपने पचास से ज्यादा सालों से मित्र हिम्मत शाह का 90वां जन्म?दिन नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में मनाया था। नब्बे के हिम्मत शाह व अस्सी के रघु राय- दोनों के पास उम्र के इस दौर में भी काम करने की इतनी योजनाएं कि बीस साल भी कम पड़ें। दोनों युवाओं जैसे उत्साह से लबरेज। रघु राय का उपरोक्त कथन 'मौत का और तस्वीर के क्षण का कोई ऐतबार नहीं,कहीं भी मिल सकते हैं', तीन साल से कम समय में ही उन्हीं पर फिट हो गया। दो मार्च, 2025 को हिम्मत शाह का निधन हो गया और ठीक तेरह माह बाद 26 अप्रैल, 2026 को रघु राय चले गये।

रघु राय कालजयी फोटोग्राफर के साथ-साथ बेहतरीन इंसान थे। हिम्मत शाह से उनकी दोस्ती उस समय हुई जब हिम्मत शाह के सितारे गर्दिश में थे। हिम्मत शाह का काम कला के बाजार में बिकता नहीं था और फ्टेहाली में सुबह-शाम खिचड़ी खाकर काम चलाते थे जबकि उस समय रघु राय स्थापित हो चुके थे। रघु राय की दृष्टि ने हिम्मत शाह के भीतर के कलाकार और बेहतर इंसान को जान लिया था। दोस्ती परवान चढ़ी और ताउम्र बनी रही। हिम्मत शाह के अनन्य प्रशंसक बिहार म्यूजियम के डायरेक्टर अंजनी कुमार सिंह ने 2019 में उनका जन्मदिन मनाने का फैसला किया व हिम्मत शाह से पूछा कि किस-किस को बुलाना चाहते हैं तो उन्होंने कहा कि रघु राय और ज्योति शाह। वजह दोस्ती तो थी ही, उससे भी बड़ी वजह थी कि हिम्मत शाह मानते थे कि आजादी के 25-30 साल बाद के बदलते भारत, ग्रामीण भारत के दस्तावेजीकरण का काम रघु राय और ज्योति शाह ने जिस शिद्दत से किया, वह उन्हें नमस्कार करते हैं। हिम्मत शाह और रघु राय जब साथ होते तो उनके पास ढेर-सी योजनाओं के अलावा संस्मरणों की पूरी पोटली होती। अपने फन के शीर्ष पर पहुंच कर भी अहंकार से कोसों दूर रघु राय की सौम्यता व मुस्कुराता चेहरा पूर्ववत बना रहा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

दिलीप कुमार ने सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया

नई दिल्ली। इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स के वरिष्ठ अधिकारी दिलीप कुमार ने 27 अप्रैल, 2026 को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उनके पास ट्रेन संचालन, रोलिंग स्टॉक रखरखाव और मानव संसाधन प्रबंधन में दो दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। श्री कुमार ने भारतीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के अपर मंडल रेल प्रबंधक और बिहार के नालंदा में हरनौत के मुख्य कारखाना प्रबंधक का पद शामिल है। उन्हें कई नवाचारों का श्रेय जाता है।

अवैध नल कनेक्शन पर दुर्ग निगम की सख्ती, बड़ा एक्शन

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर में अवैध रूप से लगाए गए नल कनेक्शनों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू करने के निर्देश जारी किए गए हैं। निगम प्रशासन ने कहा है कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार का नल कनेक्शन स्थापित करना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगम आयुक्त श्री अग्रवाल के निर्देशानुसार अब ऐसे सभी अवैध नल कनेक्शनों को चिन्हित कर तत्काल प्रभाव से काटने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, बिना स्वीकृति कनेक्शन लगाने वाले संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ भी दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बीएसपी टाउनशिप में विद्युत अवरोध के लिए रात्रिकालीन हेल्प लाइन नम्बर जारी

भिलाई। सेल- बीएसपी के नगर सेवा विभाग अंतर्गत नगर विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान टाउनशिप निवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रात्रिकालीन विद्युत अवरोध संबंधी शिकायतों के पंजीकरण हेतु विशेष व्यवस्था की गई है। इस पहल का उद्देश्य बढ़ती गर्मी के मौसम में उपभोक्ताओं को त्वरित एवं सुगम शिकायत निवारण सुविधा प्रदान करना है। नगर विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा रात्रि पाली में दूरभाष के माध्यम से शिकायत दर्ज करने के लिए दो हेल्पलाइन नंबर निर्धारित किए गए हैं, जिनके माध्यम से उपभोक्ता अपनी विद्युत संबंधी समस्याओं की सूचना सीधे विभाग तक पहुँचा सकते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से रात्रि 10:00 बजे से प्रात: 6:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। टाउनशिप के समस्त उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे रात को विद्युत अवरोध संबंधी शिकायत दर्ज कराने हेतु दूरभाष क्रमांक: 0788-285-7162 एवं 0788-285-8181 का उपयोग करें।

अपनी सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए महिलाओं का जागरूक और संगठित रहना आवश्यक : वर्णिका

- दुर्ग में जन आक्रोश महिला सम्मेलन का सफल आयोजन
- विपक्ष के खिलाफ पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग भाजपा कार्यालय में महिला मोर्चा दुर्ग द्वारा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर के नेतृत्व में जन आक्रोश महिला सम्मेलन का भव्य कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति ने आयोजन को विशेष ऊर्जा प्रदान की।

सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में महिला एवं बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा जी उपस्थित रहीं। उन्होंने महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा और सशक्तिकरण पर विस्तार से अपने विचार रखे तथा उपस्थित महिलाओं को जागरूक और संगठित रहने का संदेश दिया।

जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि महिलाओं की आवाज ही जन आक्रोश की ताकत है, और उनका सम्मान ही समाज की असली पहचान है।

जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष तृप्ति चन्द्राकर ने कहा सशक्त महिला ही सशक्त समाज की नींव है, अब हर आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।

दुर्ग महापौर अलका बाघमार ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी ही विकास की असली ताकत है, उनकी आवाज को हर मंच पर सम्मान मिलेगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे जी ने कहा नारी शक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए हम हर स्तर पर प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम में उषा टावरी, सरिता मिश्रा, चंद्रिका चंद्राकर एवं कुमुद बघेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके साथ ही जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी, महिला मोर्चा पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं विभिन्न संगठनों की बड़ी संख्या में महिला बहनों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। संचालन महिला मोर्चा महामंत्री ममता राव ने किया। आभार प्रदर्शन भारती साहू ने व्यक्त किया। सम्मेलन में महिलाओं की समस्याओं, अधिकारों एवं सामाजिक मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। जन आक्रोश महिला सम्मेलन के उपरांत पुराना बस स्टैंड के पास जिला महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने विपक्ष के खिलाफ पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया।

सड़कों को मवेशी मुक्त करने आवारा पशुओं को भेज रहे कोसानाला गौठान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के रोका-छेका विभाग द्वारा शहर में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से आवारा पशुओं को पकड़ने का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत टीम द्वारा सड़कों पर घूमने वाले एवं बीच सड़क पर बैठे पशुओं को पकड़ा जा रहा है तथा उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

पकड़े गए पशुओं को कोसानाला स्थित गौठान में रखा जा रहा है, जहां उनके लिए हरे चारे, स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। निगम द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पशुओं के रखरखाव में किसी प्रकार की कमी न हो। ज्ञात हो कि सड़कों के बीच पशुओं के बैठने या घूमने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। निगम का यह अभियान नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने पालतू पशुओं को खुला न छोड़ें तथा शहर को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग करें।

कल्याण कालेज में इनोवेटिव टेक्नीक्स पर प्रैक्टिकल आधारित कार्यशाला का आयोजन

भिलाई (सिटी डेस्क)। कल्याण पीजी कॉलेज में अर्डिनो वर्कशॉप का आयोजन किया गया। भौतिकी विभाग द्वारा वॉबल लैब और एसएसआईपीएमटी, रायपुर के (एआईसीटीई आइडिया लैब) के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य स्टूडेंट्स को जरूरी स्किल्स प्रदान करना और उन्हें इनोवेटिव टेक्निक्स के वास्तविक अनुप्रयोगों से अवगत कराना था। वर्कशॉप में अनेक उपयोगी प्रोटोटाइप और उपकरणों का प्रदर्शन किया गया।

इसमें अर्डिनो किट, फसल और सुरक्षा निगरानी के लिए ड्रोन, चार किलोग्राम चिकित्सा आपूर्ति और सर्वेक्षण के लिए ड्रोन, आठ किलोग्राम क्वाडकॉप्टर प्रमुख रहे। इन प्रदर्शनों ने स्टूडेंट्स का विशेष ध्यान आकर्षित किया और उन्हें टेक्निक्स के व्यावहारिक पक्ष को समझने का अवसर मिला।

प्रिंसिपल डॉ.विनय शर्मा, वाइस प्रिंसिपल डॉ.लखन चौधरी, कॉमर्स फैकल्टी के हेड डॉ. सलीम अकील, बॉयोटेक्नालॉजी डिपार्टमेंट की हेड डॉ. सौम्या खरे, केमेस्ट्री डिपार्टमेंट के हेड डॉ. नरेश चंद्र देशमुख, एनसीसी बॉयज विंग के हेड डॉ. हरीश कश्यप, फिजिक्स डिपार्टमेंट की हेड डॉ. नीलम शुक्ला के साथ ही फिजिक्स डिपार्टमेंट के प्रोफेसर्स मौजूद रहे।

वॉबल लैब की औद्योगिक प्रतिनिधि टीम में संस्थापक पुरुषोत्तम अजय कुमार, सह संस्थापक सिद्धार्थ सिंह, प्रोजेक्ट एसोसिएट आबिद खान, डायरेक्टर और डीजीसीए प्रमाणित इंस्ट्रक्टर पायलट पंकज कुमार यादव, तकनीकी सहयोगी सैलेश प्रजापति, केशव और अन्य मौजूद रहे।

एल नीनो : हीट वेव और सूखे के संकेत, जल संकट की बढ़ती चिंता

दुर्ग। मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष एल नीनो, सुपर एल नीनो, मेगा एल नीनो का प्रभाव अधिक रहने की संभावना जताई गई है। यह स्थिति सामान्य मौसम चक्र को प्रभावित करते हुए अत्यधिक गर्मी और कम वर्षा का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार गर्मी का असर अधिक तीव्र रहेगा, जिससे आम जनजीवन के साथ-साथ जल संसाधनों पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। एल नीनो के प्रभाव के चलते जिले में हीट वेव (लू) वाले दिनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हो सकती है। दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने के साथ-साथ रात का तापमान भी कम नहीं होगा, जिससे लोगों के लिए राहत मिलना कठिन होगा।

लापरवाह इंजीनियरों और ठेकेदार को नोटिस देने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने विकास कार्यों की प्रगति को लेकर विभागवार विस्तृत समीक्षा की। बैठक में शहर के विभिन्न वार्डों में चल रहे निर्माण कार्यों, अधोसंरचना विकास और जनहित की परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया गया। आयुक्त ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बैठक के मुख्य रूप से रोड निर्माण, सीवरेज लाइन, नाली निर्माण एवं बकाया कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए गए हैं। आयुक्त ने सभी ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित कार्यों को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें। मानसून पूर्व के आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया।

समीक्षा के दौरान जिन कार्यों की प्रगति धीमी पाई गई, उनके प्रति आयुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित ठेकेदारों और उत्तरदायी अभियंताओं को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा को दिए हैं।

आयुक्त ने अधिकारियों को फील्ड विजिट बढ़ाने और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच करने को कहा है। उन्होंने कहा कि कार्य पूर्ण होने पर भुगतान की प्रक्रिया में देरी न की जाए, लेकिन यदि कार्य में सुस्ती बरती गई तो पेनाल्टी लगाने और ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

निगम आयुक्त ने कहा है कि नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना हमारी प्राथमिकता और जिम्मेदारी है। विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी एजेंसी या अधिकारी कार्य के प्रति उदासीनता बरतेंगे, उन पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

समीक्षा बैठक में नगर निगम के मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, अधीक्षण अभियंता वेशराम सिंहा, जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता एवं बड़ी संख्या में ठेकेदार उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार : जन समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु विशेष शिविरों का आयोजन

- कार्रवाई में पारदर्शिता और सुशासन को मिलेगा बल
- 1 से 23 मई तक निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में लगेंगे शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा राज्य शासन के निर्देशानुसार सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत शहर में जन समस्या निवारण हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 01 मई से 23 मई 2026 तक दुर्ग शहर सीमा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक आयोजित किए जाएंगे।

इन शिविरों का उद्देश्य शासकीय कार्यों में पारदर्शिता लाना तथा विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।साथ ही आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर सुशासन को और सुदृढ़ किया जाएगा।

नोडल अधिकारी एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा शिविरों के सुचारू संचालन हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

तैयारियों की समीक्षा बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर स्थलों पर साफ-सफाई, पेयजल, कूलर, टेंट एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निर्धारित शिविरों का विवरण

1. वार्ड क्रमांक 01, चंद्रशेखर आजाद उ.मा. विद्यालय, पंचशील नगर, दुर्ग
   वार्ड क्रमांक: 1 से 13, 56, 57
   दिनांक: 01 मई 2026 (शुक्रवार)
2. वार्ड क्रमांक 60, शासकीय प्राथमिक शाला, कतुलबोर्ड
   वार्ड क्रमांक: 14 से 24, 47, 58, 59, 60
   दिनांक: 07 मई 2026 (गुरुवार)
3. वार्ड क्रमांक 46, स्वामी विवेकानंद भवन
   वार्ड क्रमांक: 39 से 46, 48 से 54
   दिनांक: 13 मई 2026 (बुधवार)
4. वार्ड क्रमांक 37, पुराना गंजमंडी
   वार्ड क्रमांक: 25 से 38, 55
   दिनांक: 23 मई 2026 (शनिवार)

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा समस्त शहरवासियों से अपील की गई है कि वे इन शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का मौके पर ही समाधान प्राप्त करें तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

‘आहार्यम’ में दिखी कथक की विकास यात्रा की झलक

कृष्णप्रिया कथक केन्द्र की प्रस्तुति; पूर्व विस अध्यक्ष पाण्डेय एवं विधायक रिकेश ने की सराहना

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। कला मंदिर सिविक सेंटर के मंच पर नृत्य-नाटिका ‘आहार्यम’ ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कृष्णप्रिया कथक केंद्र की इस शानदार प्रस्तुति का निर्देशन एवं संयोजन उपासना तिवारी ने किया था। इस नृत्य-नाटिका में कथक की यात्रा को उसके विभिन्न ऐतिहासिक और सांस्कृतिक चरणों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

मंच पर नन्हीं मुन्नी बेटियों से लेकर वरिष्ठ कलाकारों तक ने ऐसा समां बांधा कि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय और वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने भी दर्शकों के साथ बैठकर इस नृत्य नाटिका को देखा और पूरी टीम की सराहना की।

कार्यक्रम की शुरुआत कथक के मंदिर काल से हुई, जिसमें भक्ति और सादगीपूर्ण आहार्य (वेशभूषा) को दर्शाया गया। रास लीला के माध्यम से राधा-कृष्ण की दिव्य लीलाओं को सजीव किया गया। आगे चलकर कथक पर सूफी प्रभाव को दर्शाया गया, जिसमें प्रेम, एकता और आध्यात्मिकता का संदेश नृत्य के माध्यम से व्यक्त किया गया। मुगल काल के अंतर्गत दरबारी कथक की नज़ाकत, अदा और शाही भव्यता को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया, वहीं खयाल और तराना के माध्यम से भाव और लय के कोमल संगम को दिखाया गया।

कार्यक्रम में जयपुर घराना की शक्ति, लयकारी और आध्यात्मिकता का भी सशक्त प्रदर्शन किया गया। ब्रिटिश काल के कठिन दौर को दर्शाते हुए कोठे की परंपरा की नफासत और तहज़ीब को मंच पर जीवंत किया गया। समापन समकालीन (फ्यूजन) कथक प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसमें पारंपरिक जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिक अभिव्यक्ति का सुंदर संगम देखने को मिला।

इस प्रस्तुति की विशेषता यह रही कि इसमें ‘आहार्यम’ अर्थात वेशभूषा और आभूषण को केंद्र में रखते हुए प्रत्येक कालखंड की सांस्कृतिक पहचान को नृत्य और रैम्प प्रस्तुति के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया।

नगर निगम के अधिकारियों को जारी किए गए शासकीय मोबाइल नम्बर

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा नागरिक सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और त्वरित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारियों हेतु शासकीय मोबाइल नंबर जारी किए गए हैं। इन मोबाइल नंबरों की मुख्य विशेषताएँ और निर्देश निम्नानुसार हैं। ये मोबाइल नंबर विशिष्ट ‘पद’ के लिए आवंटित किए गए हैं। अधिकारी के स्थानांतरण होने की स्थिति में भी यह नंबर उसी पद पर आने वाले नए अधिकारी के पास उपलब्ध रहेगा। नागरिकों को अब अधिकारियों के व्यक्तिगत नंबर खोजने की आवश्यकता नहीं होगी। पद-आधारित नंबर होने से आम जनता सीधे संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी से संपर्क कर सकेगी। सफाई, जल प्रदाय, राजस्व, स्वास्थ्य और प्रकाश जैसे आवश्यक विभागों के प्रभारियों के नंबर 24×7 सक्रिय रहेंगे ताकि आपातकालीन स्थितियों में समन्वय स्थापित किया जा सके।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

वर्ड पावर चैंपियनशिप 2026 में छठवां स्थान हासिल किया छात्र रोशन निषाद ने

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के शासकीय प्राथमिक शाला खिचरी के कक्षा तीसरी के छात्र रोशन निषाद ने अपनी प्रतिभा का लोहा राष्ट्रीय स्तर पर मनवाते हुए मुंबई में आयोजित वर्ड पावर चैंपियनशिप 2026 में छठवां स्थान हासिल किया है। इससे पहले रोशन ने राज्य स्तर पर प्रतियोगिता जीतकर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त किया था। देशभर के तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों के प्रतिभागियों के बीच प्रतिस्पर्धा करते हुए रोशन ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। सीमित संसाधनों और ग्रामीण परिवेश से आने के बावजूद उनकी यह उपलब्धि खास मानी जा रही है। इस सफलता के पीछे सहायक शिक्षक सुनीता यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जो राज्य शिक्षक सम्मान एवं मुकुटधर पांडे स्मृति अलंकृत पुरस्कार से सम्मानित हैं। उनके मार्गदर्शन, मेहनत और समर्पण ने रोशन जैसे छात्र को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रोशन निषाद और सुनीता यादव को मुंबई में सम्मानित भी किया गया। मुंबई यात्रा के दौरान रोशन ने पहली बार मेट्रो ट्रेन और वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर किया तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त वातावरण का अनुभव किया, जो उसके लिए किसी सपने के साकार होने जैसा रहा।

पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे हेतु द्विदिवसीय हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण सम्पन्न

रायपुर। आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय द्वारा राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के अंतर्गत संचालित पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दो दिवसीय हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित सम्पन्न हुआ। संचालनालय के अधिकारियों ने सर्वेक्षण की गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस प्रशिक्षण से प्रतिभागियों की कार्यकुशलता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो सर्वे के प्रभावी संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह प्रशिक्षण विगत दिनों संचालनालय के प्रशिक्षण कक्ष में आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न जिलों से सर्वे कार्य से जुड़े अधिकारी एवं प्रशिक्षुओं ने भागीदारी की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सर्वेक्षण की संपूर्ण प्रक्रिया, प्रश्नावली की विस्तृत समझ, डेटा संग्रहण की विधियां तथा फील्ड में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों के समाधान के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही, हैंड्स-ऑन अभ्यास के माध्यम से प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियों में सर्वेक्षण करने का व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया।

नोनी सुरक्षा योजना से सुरक्षित हुआ नव्या का भविष्य

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया जा रहा है, ताकि आवेदकों को समयबद्ध तरीके से राहत मिल सके। इसी कड़ी में राजनांदगांव शहर के तुलसीपुर वार्ड क्रमांक 17 निवासी राहुल कुमार दास द्वारा अपनी बिटिया नव्या वैष्णव को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित नोनी सुरक्षा योजना का लाभ दिलाने के लिए कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को आवेदन एवं दस्तावेजों की जांच उपरांत पात्र पाए जाने पर नव्या वैष्णव को नोनी सुरक्षा योजना से लाभान्वित करने निर्देशित किया। कलेक्टर के निर्देशानुसार विभागीय अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों एवं दस्तावों की जांच की गई। योजना के तहत निर्धारित मापदण्ड अनुसार पात्र पाए जाने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए हितग्राही बच्ची के अभिभावकों से संपर्क किया गया और हितग्राही के आवेदन को ऑनलाईन पोर्टल पर दर्ज किया गया। साथ ही बच्ची के माता-पिता को पोर्टल पर प्राप्त होने वाली दर्ज संख्या एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने 283 लाख रूपए के विकास परियोजनाओं का किया भूमिपूजन

आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से बदलेगा पंचायत का स्वरूप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि लखनपुर का सर्वांगीण विकास सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इन परियोजनाओं के माध्यम से नगर की आधारभूत संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन कार्यों के पूर्ण होने से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति प्राप्त होगी। नगर पंचायत लखनपुर में विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज 283 लाख रूपए की लागत से पूर्ण होने वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का विधिवत भूमिपूजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल द्वारा किया गया।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण से छत्तीसगढ़ के लखनपुर नगर पंचायत का स्वरूप तेजी से बदलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भूमिपूजन की गई परियोजनाओं में सड़क, नाली, सामुदायिक अधोसंरचना सहित विभिन्न आवश्यक विकास कार्य शामिल हैं, जो न केवल नगर की मूलभूत जरूरतों को पूरा करेंगे बल्कि आने वाले समय में आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति का आधार भी बनेंगे।

इन योजनाओं के क्रियान्वयन से लखनपुर का स्वरूप आधुनिक और सुव्यवस्थित नगर के रूप में उभरकर सामने आएगा।

मंत्री अग्रवाल ने नगर पंचायत लखनपुर के समस्त नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार जनहित के कार्यों के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और भविष्य में भी विकास की यह गति लगातार जारी रहेगी।

इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के सतत प्रयासों से ही लखनपुर को यह महत्वपूर्ण सौगात प्राप्त हुई है। स्थानीय नागरिकों में विकास कार्यों को लेकर उत्साह का माहौल है और उन्होंने आशा जताई कि इसी तरह क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य होते रहेंगे। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी मिलेगी बेहतर सुविधाएं : मंत्री कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार योजनाओं को धरातल पर उतारकर लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला रही है। उन्होंने बताया कि इन कार्यों से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी और ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सड़क, शिक्षा, डिजिटल सेवाएं और सामुदायिक सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि मिल सकें। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प को निरंतर साकार कर रही है। इसी कड़ी में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के सिवनी में लगभग एक करोड़ 55 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। लोकार्पित कार्यक्रम के तहत सिवनी से खालेपारा तक 0.55 किमी सड़क (73.30 लाख रुपए) तथा सिवनी से आमागुड़ापारा तक 0.55 किमी सड़क (55.18 लाख रुपए) का निर्माण किया गया। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। ग्राम बड़ेआमाबाल एवं बड़ेअलनार में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिससे ग्रामीणों को ऑनलाइन सेवाएं और शासकीय योजनाओं का लाभ गांव में ही मिल सकेगा। शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सोनारपाल में प्रार्थना शेड का निर्माण भी किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। सोनारपाल में गणेश मंडली के पास शेड, टाइल्स एवं लाइट सहित निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही ग्राम बड़ेआमाबाल के खरियापारा में सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया, जो ग्रामीणों के सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों का केंद्र बनेगा। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि इन विकास कार्यों से न केवल बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा। उन्होंने बताया कि बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सरकार विशेष प्राथमिकता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ विकास कार्यों को पूरा कर रही है। आने वाले समय में भी नारायणपुर जिले में ऐसे जनहितकारी कार्य जारी रहेंगे, जिससे हर गांव, हर घर और हर परिवार सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सके।

राज्यपाल डेका से प्रशिक्षणरत नायब तहसीलदारों ने की सौजन्य भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग से चयनित होकर विभिन्न जिलों में सेवा दे रहे नायब तहसीलदारों ने सौजन्य भेंट की। ये सभी वर्तमान में राज्य प्रशासनिक अकादमी निमोरा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

राज्यपाल डेका ने नायब तहसीलदारों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें जीवन में जनसेवा का महत्वपूर्ण अवसर मिला है। यहां तक पहुंचने के लिए सभी ने कठिन परिश्रम किया है, इसलिए अब पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने दायित्व निभाने होंगे। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा में संवेदनशीलता सबसे महत्वपूर्ण गुण है। आम जनता अपनी समस्याओं के समाधान की अपेक्षा लेकर प्रशासन के पास आती है। ऐसे में हर व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुनना और उसके निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास करना अधिकारियों का कर्तव्य है। राज्यपाल ने कहा कि सभी समस्याओं का समाधान तुरंत संभव नहीं होता, लेकिन सकारात्मक सोच और ईमानदार प्रयास हमेशा होना चाहिए। उन्हें जो अधिकार मिले हैं, उनका सदुपयोग जनता के हित में करें।

राज्यपाल डेका ने खैरागढ़ विश्वविद्यालय की नई बस को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने लोकभवन में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की नई बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहल छात्रों और स्टाफ के लिए परिवहन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से की गई है। इस वाहन के माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को कला, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए विभिन्न स्थानों तक आवागमन में सुविधा मिलेगी। इससे विद्यार्थियों को अपने प्रतिभा प्रदर्शन के लिए बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

यह कदम विश्वविद्यालय के सुचारू संचालन और छात्रों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए उठाया गया है। राज्यपाल डेका ने वाहन के सदुपयोग, नियमित रखरखाव और विद्यार्थियों के हित में प्रभावी उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे संसाधन संस्थानों की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नई गति देते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. लवली शर्मा सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर चना खरीदी ने पकड़ी रफ्तार

76 हज़ार क्विंटल की हुई खरीदी, उपार्जन केंद्रों पर बढ़ी किसानों की भीड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान 2018 में शुरू की गई एक प्रमुख सरकारी योजना है। इसका उद्देश्य दलहन, तिलहन किसानों को उनकी उपज का लाभकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करना है। यह योजना मूल्य अस्थिरता को कम कर किसानों की आय की रक्षा करती है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत छत्तीसगढ के धमतरी जिले में चना खरीदी का कार्य अब अपने अंतिम और निर्णायक चरण की ओर बढ़ रहा है। राज्य में सर्वाधिक चना उत्पादक जिले के रूप में अपनी धाक जमा चुके धमतरी में, अब उपार्जन केंद्रों पर किसानों की चहल-पहल और भी बढ़ गई है।

जिले की 76 हजार क्विंटल की शानदार उपलब्धि के बाद, कृषि विभाग अब शेष 24 हजार क्विंटल के लक्ष्य को पूरा करने के लिए मिशन मोड पर है। राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों का मानना है कि धमतरी जिले द्वारा अपनाई गई पारदर्शी पंजीकरण और त्वरित भुगतान की प्रणाली अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी है। प्रशासन की सक्रियता से किसानों को प्राथमिकता मिल रही है। जिले के 11 खरीदी केंद्रों पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है।

कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों पर नोडल अधिकारियों की तैनाती बढ़ा दी है, ताकि तौल से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया में कहीं कोई बाधा न आए।

इसके साथ ही उन्होंने परिवहन में तेजी लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। खरीदी गई उपज को जल्द से जल्द गोदामों तक पहुँचाने के लिए परिवहन की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है, जिससे केंद्रों पर किसानों को अपनी बारी का इंतजार न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उपज लेकर आने वाले किसी भी किसान को निराश होकर न लौटना पड़े।

उपार्जन केंद्रों पर मौजूद किसानों का कहना है कि समर्थन मूल्य पर त्वरित भुगतान मिलने से उन्हें रबी की कटाई के बाद के खर्चों को संभालने में बहुत मदद मिल रही है। समय पर मिल रहे इस आर्थिक संबल के कारण किसानों का रुझान अब अन्य फसलों की तुलना में दलहन उत्पादन की ओर अधिक बढ़ रहा है। यह योजना न केवल किसानों को सही दाम दिलाती है, बल्कि उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को भी नियंत्रित करती है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि अगले कुछ दिनों में शेष लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी संसाधन झोंक दिए जाएंगे। प्रशासनिक स्तर पर किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपने संबंधित उपार्जन केंद्रों के नोडल अधिकारियों से संपर्क बनाए रखें ताकि खरीदी प्रक्रिया सुगमता से संपन्न हो सके।

खस की सुगंधित जड़ों से शिल्प कला कृतियां और उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण

खस की जड़ों से माला, तोरण, हाथ का पंखा सहित सात प्रकार की आकर्षक कलाकृतियां, महिलाओं को मिलेंगी रोजगार के साधन, बढेगी आय के नए अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खस की सुगंधित जड़ों से शिल्प कला कृतियां और उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण एक पारंपरिक और पर्यावरण-अनुकूल कौशल है, जो ग्रामीण कारीगरों, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाता है। खस की जड़ों को साफ करके, सुखाकर और कभी-कभी भिगोकर (लचीलापन बढ़ाने के लिए) उपयोग किया जाता है। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड (वन विभाग) द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई। 25-26 अप्रैल को बोर्ड कार्यालय के सभागार में खस (वेटीवर) की सुगंधित जड़ों से शिल्प कला कृतियां और उत्पाद बनाने का दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य धमतरी जिले में नदी किनारे खस की खेती कर रही महिला स्व-सहायता समूहों की आय बढ़ाना है। प्रशिक्षण में कुरूद विकासखंड के तीन गांवों के चार महिला स्व सहायता समूहों की सदस्य शामिल हुईं। इनमें ग्राम नारी से अन्नपूर्णा और जय मां सरस्वती समूह, ग्राम परखंदा से धान का कटोरा उत्पादन समिति तथा ग्राम मदरौद से वंदना महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं शामिल रहीं। प्रशिक्षण के माध्यम से खस की जड़ों से मैट (चटाई), परदे, टोकरियाँ, पेन स्टैंड, छोटे बक्से, सजावटी सामान और ज्वेलरी जैसे उत्पाद बनाए जाते हैं।

प्रशिक्षण देने के लिए तमिलनाडु के मदुरै से विशेषज्ञ प्रशिक्षक निर्मला और शन्वगम को आमंत्रित किया गया। निर्मला ने महिलाओं को खस की जड़ों से माला, तोरण, हाथ का पंखा सहित सात प्रकार की आकर्षक कलाकृतियां बनाना सिखाया। कार्यक्रम के दौरान बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने प्रशिक्षणार्थियों से मुलाकात कर उनके द्वारा बनाई गई कलाकृतियों का अवलोकन किया और उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने बताया कि धमतरी में नदी किनारे खस की खेती का मॉडल राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत हो चुका है और इसे आगे पूरे प्रदेश में लागू करने की योजना बनाई जा रही है।

बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव ने जानकारी दी कि वर्ष 2026 में बस्तर क्षेत्र की शबरी और इंद्रावती नदी के किनारे भी खस की खेती के इस मॉडल को विकसित किया जा रहा है, जिसे आगे अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार दिया जाएगा। खस से बने उत्पाद न केवल सुगंधित होते हैं, बल्कि प्राकृतिक रूप से ठंडक देने वाले और एंटी-टर्माइट (दीमक रोधी) गुण वाले भी होते हैं। प्रशिक्षक श्रीमती निर्मला ने बताया कि खस से बने उत्पादों की बाजार में काफी मांग है। खस की माला, तोरण और अन्य छोटे उत्पाद अच्छी कीमत पर बिकते हैं। इन उत्पादों की खासियत उनकी सुगंध और आकर्षक डिजाइन है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला विकास केंद्रों के माध्यम से भी यह हुनर सिखाया जाता है। यह कौशल महिलाओं और कारीगरों को रोजगार के नए अवसर प्रदान करता है।

प्रशिक्षण में शामिल महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बोर्ड के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर औषधीय पौधों की खेती के सलाहकार डी.के.एस. चौहान तथा धमतरी जिले के समन्वयक श्री फकीर राम कोसरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जब अक्षय के प्रैंक से जैकलीन को हो गया था ट्रॉमा

एक्ट्रेस ने शेयर किया डरावना किस्सा खिलाड़ी ने मांगी माफी...........

अक्षय कुमार अक्सर अपने को-स्टार्स के साथ प्रैंक और हसीं-मजाक करते रहते हैं। अब हाल ही में जैकलीन फर्नांडिस ने खुलासा किया कि एक बार अक्षय ने उनके साथ ऐसा प्रैंक किया था, जिससे उन्हें सच में ट्रॉमा हो गया था।

अक्षय कुमार का रियलिटी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' ग्रैंड फिनाले के साथ खत्म होने जा रहा है, जिसमें फराह खान, जैकलीन फर्नांडिस और भूमि पेडनेकर नजर आएंगी। शो में जैकलीन फर्नांडिस ने बताया कि एक बार अक्षय ने उनके साथ ऐसा प्रैंक किया था, जिससे उन्हें सचमुच का ट्रॉमा हो गया था।

क्यों हुआ था जैकलीन को ट्रॉमा?

शो के दौरान अक्षय कुमार ने जैकलीन से पूछा, 'आपको इंडस्ट्री में 17 साल हो गए हैं, क्या कभी किसी ने आपसे गलत बात की है?' इस पर जैकलीन हंसते हुए बोलीं, 'हां, बहुत।' इसके बाद अक्षय ने उनसे डिटेल में बताने को कहा, तो जैकलीन ने अपने पहले आइटम सॉन्ग 'धन्नो' का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मेरा पहला आइटम सॉन्ग फिल्म हाउसफुल में 'धन्नो' था, और उस समय अक्षय ने मेरे साथ बहुत गंदा प्रैंक किया था। इससे मुझे सच में ट्रॉमा हो गया था।'

अक्षय ने मांगी माफी

उन्होंने आगे बताया, 'सेट पर काफी सिक्योरिटी थी, बॉडीगार्ड्स और लोग खड़े थे। मुझे लगा पुलिस है, तो मैंने कैजुअली पूछ लिया कि इतनी सिक्योरिटी क्यों है। थोड़ी देर बाद अक्षय मेरे पास आकर बोले, 'जैकलीन, तुमने कुछ गलत किया है क्या? पुलिस तुम्हारे लिए आई है। गाने के बाद तुम्हें स्टेशन ले जाएंगे।' जैकलीन ने कहा, 'मैं पूरे गाने के दौरान बहुत डर गई थी। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि मैंने ऐसा क्या कर दिया है।' बाद में जब अक्षय को एहसास हुआ कि उनका प्रैंक ज्यादा हो गया, तो उन्होंने माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'अगर मैंने ऐसा किया था, तो मैं सॉरी बोलता हूं।' अक्षय ने आगे कहा, 'इंसान को हंसते-खेलते रहना चाहिए, थोड़ी मस्ती करनी चाहिए। प्रैंक भी करने चाहिए, लेकिन सिर्फ तब तक जब तक किसी को दुख न हो। अगर किसी को दुख नहीं हो रहा, तो मस्ती चलती रहनी चाहिए।'

'बहुरानी' बन छाएंगी आम्रपालीनई फिल्म 'लाखों में एक पवले बानी हम बहुरानी' का फर्स्ट लुक रिलीज

भोजपुरी इंडस्ट्री की लेडी सुपरस्टार आम्रपाली दुबे अपनी नई फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। इसका फर्स्ट लुक उन्होंने आज रविवार को फैंस के साथ साझा किया है। आम्रपाली दुबे भोजपुरी सिनेमा की सबसे चर्चित और पसंदीदा एक्ट्रेस में शामिल हैं। आम्रपाली दुबे फिलहाल अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। इसकी पहली झलक उन्होंने फैंस के साथ साझा कर दी है। फिल्म का नाम है- 'लाखों में एक पवले बानी हम बहुरानी'। जैसा कि फिल्म का नाम है, एक्ट्रेस बहूरानी अवतार में नजर आ रही हैं। आम्रपाली दुबे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का फर्स्ट लुक साझा किया है।

पोस्टर पर वे बहुरानी अवतार में दिख रही हैं। चुनरी प्रिंट की लाल रंग की साड़ी, गले में मंगलसूत्र पहने वे सिर पर पल्लू रखकर मुस्कुराती दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'मेरी पहली फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' के सुपरहिट गाने 'लाखों में एक पवले बानी हम बहुरानी' से शुरू हुआ ये सुनहरा सफर अब उसी नाम की फिल्म तक पहुंच चुका है। तैयार हो जाइए हंसी, प्यार और पारिवारिक भावनाओं से भरपूर एक शानदार कहानी के लिए।

पारिवारिक है आम्रपाली की फिल्म

इस फिल्म को रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट लेकर आ रहे हैं। यह पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है। आम्रपाली ने लिखा है, 'पूरा परिवार के साथ देखे के तैयार रही ई फिल्म काहें कि ई फिल्म दिल जीत लेई'। आम्रपाली के अलावा इस फिल्म के निर्माता निशांत उज्जवल ने भी पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने भी पोस्ट साझा करते हुए लिखा है, 'धमाकेदार मनोरंजन खातिर हो जाई तैयार। इस फिल्म का निर्देशन अजय झा ने किया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

आम्रपाली दुबे की इस फिल्म का ट्रेलर 28 अप्रैल को रिलीज होने जा रहा है। वहीं, यह फिल्म 01 मई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म का ट्रेलर एंटरटेन रंगीला और भोजपुरी सिनेमा टीवी के यूट्यूब चैनल से रिलीज होगा।

बहुरानी अवतार में दिखीं आम्रपाली

हिंदी के लिए साई पल्लवी ने मांगी माफी

बॉलीवुड डेब्यू से पहले नर्वस हैं एक्ट्रेस

साई पल्लवी आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ 'एक दिन' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू को तैयार हैं। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर एक इवेंट हुआ, जिसमें आमिर खान समेत फिल्म की कास्ट भी मौजूद रही।

इस इवेंट में साई पल्लवी भी पहुंचीं, जहां उन्होंने इमोशनल स्पीच दिया। इस दौरान साई ने अपनी कमजोर हिंदी के लिए माफी मांगते हुए कहा कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी घबराई हुई भी हैं।

कमजोर हिंदी के लिए मांगी माफी

कार्यक्रम के दौरान जब साई पल्लवी को मंच पर बोलने के लिए बुलाया गया, तो एक्ट्रेस ने हिंदी पर अपनी सीमित पकड़ के लिए माफी मांगी। साथ ही उन्होंने वहां मौजूद लोगों को आगाह किया कि बोलते समय उनसे ग्रामेटिकल मिस्टेक हो सकती है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए साई ने स्वीकार किया कि उन्होंने हिंदी में बोलने की तैयारी नहीं की थी।

उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता था कि हमें इस कार्यक्रम में बोलना होगा। कम से कम मैं हिंदी में कुछ सीख तो लेती, लेकिन कृपया मुझे माफ कर दीजिएगा। व्यक्तिगत रूप से मैं आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं।

फिल्म की कास्ट और क्रू की तारीफ करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आप सब अविश्वसनीय थे, हर एक व्यक्ति, आप सभी बहुत ही सुंदर कहानीकार हैं। मैं आपकी भावनाओं को महसूस कर सकती थी, मैं अपने सामने के सीन को देख सकती थी। यह सचमुच बहुत खूबसूरत था।

आमिर खान का जताया आभार

साई ने इंडस्ट्री में अपने सफर को लेकर कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं वास्तव में थिएटर जाने वाली, ऐसी जगह जाने वाली थी जहां इतनी प्रतिभाओं का संगम हो। लेकिन मैंने जो कुछ भी किया है, वह मुझे यहां तक ले आया है और मैं इस पूरी यात्रा के लिए बहुत आभारी हूं। आमिर खान को धन्यवाद देते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आमिर सर, मुझे इस तरह का मौका देने और इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए चुनने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

जब भी आप सब प्यार की बात करते थे, मैं आपके चेहरे पर चमक देख सकती थी। यह मेरी पहली हिंदी फिल्म होने जा रही है। मैं सचमुच बहुत घबराई हुई हूं। लेकिन यह एक बेहद खूबसूरत सफर है। पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। जुनैद एक बेहद प्यारे को-एक्टर थे। बिल्कुल आज्ञाकारी बच्चे जैसे।

1 मई को रिलीज होगी 'एक दिन'

सुनील पांडे द्वारा निर्देशित 'एक दिन' एक रोमांटिक ड्रामा है। इसे आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले मंसूर खान, आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 2016 में आई थाई फिल्म 'वन डे' का रीमेक है, जिसमें एक लड़का अपनी कलीग से प्यार कर बैठता है, लेकिन अपने दिल की बात कहने की हिम्मत नहीं जुटा पाता। वह सिर्फ एक दिन के लिए उसके साथ रहना चाहता है और आश्चर्य की बात यह है कि उसकी यह इच्छा पूरी हो जाती है। 'एक दिन' 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हाथ-पैरों को मजबूत कर सकती है ग्लूट-हैम रेज एक्सरसाइज, इसके दौरान रखें इन बातों का ध्यान

ग्लूट-हैम रेज एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो आपके निचले शरीर और हैमस्ट्रिंग को मजबूत बना सकती है। यह एक्सरसाइज न केवल पैरों को टोन करती है, बल्कि पीठ के निचले हिस्से को भी मजबूत करती है। इसे सही तरीके से करने के लिए कुछ खास बातें जानना जरूरी है। आइए आज हम आपको ग्लूट-हैम रेज से जुड़ी 5 अहम बातें बताते हैं, जिनसे आप इस एक्सरसाइज का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं।

सही मुद्रा अपनाएं

ग्लूट-हैम रेज करते समय सही मुद्रा का चयन करना बहुत जरूरी है। आपको अपने पैरों को स्थिर प्लेटफॉर्म पर रखना होगा और ध्यान रखना होगा कि आपके घुटने सीधे रहें। इससे आपकी पीठ के निचले हिस्से पर सही दबाव पड़ेगा और आप इस एक्सरसाइज को बेहतर तरीके से कर पाएंगे। इसके अलावा आपको अपने हाथों को छाती पर क्रॉस करना चाहिए या सिर के पीछे रखना चाहिए, ताकि आप संतुलन बना सकें।

धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं

अगर आप पहली बार ग्लूट-हैम रेज कर रहे हैं तो शुरुआत में हल्के वजन का ही चुनाव करें। धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं, ताकि आपकी मांसपेशियां इसे सहन कर सकें और चोट का खतरा कम हो। इससे न केवल आपकी ताकत बढ़ेगी, बल्कि आपकी तकनीक भी सुधरेगी। ध्यान रखें कि वजन बढ़ाने की प्रक्रिया धीरे-धीरे हो, ताकि शरीर को उसे अपनाने का समय मिल सके और आप सुरक्षित तरीके से अधिकतम लाभ उठा सकें।

सांसों पर ध्यान दें

ग्लूट-हैम रेज करते समय अपनी सांसों पर ध्यान देना नहीं भूलना चाहिए। ऊपर की ओर उठते समय सांस लें और नीचे की ओर लौटते समय सांस छोड़ें। इससे आपकी एक्सरसाइज ज्यादा प्रभावी होगी और आपको ज्यादा ऊर्जा मिलेगी। सही तरीके से सांस लेने से आपकी मांसपेशियों पर बेहतर प्रभाव पड़ेगा और आप ज्यादा समय तक इस एक्सरसाइज को कर पाएंगे। इसके अलावा यह आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ाएगी और आपको बेहतर परिणाम देगी।

फॉर्म पर ध्यान दें

ग्लूट-हैम रेज करते समय आपका फॉर्म बहुत अहम होता है। आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और कोई भी मोड़ या खिंचाव नहीं होना चाहिए। इसे सही तरीके से करने से न केवल चोट लगने का खतरा कम होता है, बल्कि इससे आपके ग्लूट्स और हैमस्ट्रिंग पर अधिक प्रभाव पड़ता है। सही फॉर्म से आप इस एक्सरसाइज का पूरा लाभ उठा सकते हैं और अपनी मांसपेशियों को मजबूत बना सकते हैं।

नियमितता बनाए रखें

किसी भी एक्सरसाइज का पूरा फायदा उठाने के लिए नियमितता बहुत जरूरी होती है। सप्ताह में कम से कम 3 बार ग्लूट-हैम रेज करें, ताकि आपके शरीर को इसकी आदत हो जाए और आप इसके सारे लाभ पा सकें। नियमितता से न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी, बल्कि आपका संतुलन भी बेहतर होगा। इसके अलावा इससे आपकी सहनशक्ति में भी वृद्धि होगी और आप अधिक समय तक इस एक्सरसाइज को कर पाएंगे।

खास खबर

सांसद संतोष पाण्डेय बने निक्षय मित्र

राजनांदगांव। सांसद संतोष पाण्डेय ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने दो टीबी मरीजों को गोद लेकर निक्षय मित्र के रूप में सहयोग करने का संकल्प लिया। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने भी दो टीबी मरीजों को गोद लेकर निक्षय मित्र बने। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कोई भी व्यक्ति, संस्था, एनजीओ, औद्योगिक इकाई या जनप्रतिनिधि निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को गोद ले सकते है और उन्हें 6 माह तक प्रति माह लगभग 500 रूपए राशि का पोषण आहार उपलब्ध करा सकते है। इसमें तीन किलो चावल, डेढ़ किलो दाल, 250 मिलीलीटर तेल एवं एक किलो मूंगफली शामिल है। उन्होंने बताया कि जिले में 26 मार्च 2026 से 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान संचालित किया जा रहा है। अब तक 39 आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें हाई-रिस्क ग्रामों एवं वार्डों के 2 हजार 378 व्यक्तियों का एक्स-रे किया गया है। इसी प्रकार 131 स्कूलों में 2 हजार 919 छात्र-छात्राओं की टीबी जांच की गई है।

मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना ने बदली आम उपभोक्ताओं की ज़िंदगी

कोरबा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर लागू की गई मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना 2026 कोरबा जिले में आशा की किरण बनकर उभरी है। वर्षों से लंबित बिजली बिलों का बोझ ढो रहे उपभोक्ताओं के लिए यह योजना आर्थिक राहत के साथ-साथ मानसिक सुकून भी प्रदान कर रही है। इस योजना का सबसे प्रभावशाली असर तीन आम परिवारों- रूपा बाई, कुमार साय और संतोष यादव के जीवन में साफदिखाई देता है। कोरबा जिले के दीपका वितरण केंद्र की बीपीएल उपभोक्ता रूपा बाई पर 62,906 का बकाया था, जो उनके लिए लगातार बढ़ती चिंता का विषय बन चुका था। समाधान योजना ने उनके जीवन में नए सवेरे की तरह प्रवेश किया। योजना के अंतर्गत उन्हें 32,200 की बड़ी छूट मिली। बाकी 35,706 का भुगतान कर उन्होंने वर्षों का बकाया समाप्त कर लिया। अब वे निश्चिंत हैं और नियमित भुगतान के लिए प्रेरित भी। नकटीखार, भैसमा क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ता कुमार साय की स्थिति भी कुछ ऐसी ही थी। 1,01,315 का बकाया उनके परिवार के लिए भारी चुनौती बन चुका था। समाधान योजना के तहत उन्हें ?40,265 की राहत मिली। उन्होंने शेष ?61,049 का भुगतान कर अपना बिजली कनेक्शन नियमित कराया।

मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में प्रदेश ने रचा नया कीर्तिमान

मनरेगा श्रमिकों की ई- केवायसी में छत्तीसगढ़ देश में अव्वल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत श्रमिकों के ई-के वाय सी कार्य में छत्तीसगढ़ ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार द्वारा जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 97.11 प्रतिशत सक्रिय श्रमिकों का ई-के वाय सी पूर्ण कर लिया गया है, जो राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक है। खास बात यह है कि छत्तीसगढ़ ने केरलम, त्रिपुरा, मिजोरम जैसे छोटे राज्यों तथा कर्नाटक, तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों को भी पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना ;मनरेगा के तहत श्रमिकों की ई.केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने में छत्तीसगढ़ ने देश भर में अग्रणी स्थान हासिल किया है। प्रदेश में लगभग 56.87 लाख से ज्यादा मजदूरों की डिजिटल वेरिफिक्रेशन पूरी की गई है जो भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करती है। यह डिजिटल प्रक्रिया फर्जी जॉब कार्डों को हटाने और सीधे वास्तविक लाभार्थियों के बैंक खातों में मजदूरी पहुंचाने में मदद कर रही है।

यह उपलब्धि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल मार्गदर्शन एवं उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा के सतत नेतृत्व, मॉनिटरिंग और प्रभावी रणनीति का परिणाम है। राज्य में योजनाबद्ध ढंग से अभियान चलाकर ई-के वाय सी की प्रक्रिया को तेज किया गया, जिससे बड़ी संख्या में श्रमिकों को समयबद्ध रूप से इससे जोड़ा जा सका।

रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में कुल 58 लाख से अधिक सक्रिय श्रमिकों में से 56 लाख से अधिक का ई-के वाय सी सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है। यह उपलब्धि न केवल प्रशासनिक दक्षता को दर्शाती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार गरीब और श्रमिक वर्ग के हितों के संरक्षण एवं उन्हें योजनाओं का पारदर्शी लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। ई-के वाय सी के माध्यम से श्रमिकों को समय पर भुगतान एवं योजनाओं का सीधा लाभ सुनिश्चित हो रहा है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्राम स्तर पर कार्यरत टीमों के समन्वित प्रयास का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि ई-के वाय सी से न केवल फर्जीवाड़े पर रोक लगी है, बल्कि वास्तविक हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने में भी पारदर्शिता आई है।

श्री शर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों को बधाई देते हुए निर्देशित किया कि शेष लंबित प्रकरणों को भी शीघ्र पूर्ण कर प्रदेश को 100 प्रतिशत e-KYC (ई - के वाय सी) लक्ष्य की ओर अग्रसर किया जाए। प्रदेश में चलाए गए विशेष अभियान, ग्राम पंचायत स्तर पर जनजागरूकता और तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग से यह सफलता हासिल हुई है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ को डिजिटल गवर्नेंस और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करती है।

नवरस और ज्ञानेंद्रियों के माध्यम से सशक्त अभिव्यक्ति : जशपुर में महिला समूहों की स्टोरी टेलिंग कार्यशाला सफल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिलाओं के सशक्तिकरण और लघु वनोपज आधारित आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक अभिनव पहल के तहत जशपुर जिले में तीन दिवसीय स्टोरी टेलिंग कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। वन मंडल जशपुर, जिला लघु वनोपज संघ मर्यादित एवं फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी के संयुक्त तत्वावधान में 24 से 26 अप्रैल तक जिला मुख्यालय स्थित निर्वाणा होटल में आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विकासखंडों की स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

कार्यशाला में कुनकुरी, बगीचा, जशपुर, पत्थलगांव, कांसाबेल और सन्ना विकासखंडों के वन धन विकास केंद्रों से जुड़ी महिलाओं को अपने अनुभव, संघर्ष और सफलता की कहानियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास विकसित करना तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के प्रति जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को नवरस और पांच ज्ञानेंद्रियों के समुचित उपयोग के माध्यम से कहानी कहने की कला को जीवंत और प्रभावशाली बनाने के गुर सिखाए। व्यावहारिक अभ्यास, समूह चर्चा और प्रस्तुतीकरण के जरिए महिलाओं की संप्रेषण क्षमता को मजबूत किया गया।

कार्यशाला के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने अपनी स्वयं की तैयार कहानियों का प्रस्तुतीकरण किया, जिसमें उनके जीवन अनुभव, स्थानीय परंपराएं और वन संसाधनों के प्रति संवेदनशीलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। प्रतिभागियों ने इस पहल को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।

यह कार्यशाला न केवल महिलाओं के अभिव्यक्ति कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सफल रही, बल्कि सामुदायिक स्तर पर प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण साबित हुई। वन विभाग ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाएगा।

महिला स्व-सहायता समूहों ने बदली पोषण आहार आपूर्ति की तस्वीर

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। छत्तीसगढ़ शासन की दूरदर्शी पहल के तहत जब आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित किए जाने वाले पोषण आहार के स्थानीय निर्माण और वितरण की जिम्मेदारी महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपी गई, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह कदम महिलाओं के जीवन में इतना बड़ा परिवर्तन ला देगा। पहले यह कार्य बीज विकास निगम के माध्यम से किया जाता था, लेकिन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी महिला स्व-सहायता समूहों को दी गई। यही बदलाव उनकी सफलता की कहानी का आधार बना।

जिले में चयनित महिला स्व-सहायता समूहों को उत्पादन तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके बाद परियोजनाओं में आधुनिक उत्पादन इकाइयाँ स्थापित की गईं। मशीनरी, पैकेजिंग उपकरण और भंडारण सुविधाओं से लैस इन इकाइयों ने ग्रामीण महिलाओं के लिए नया कार्यस्थल और नया दृष्टिकोण दोनों दिया।

जब उत्पादन शुरू हुआ, तब कच्चे माल की तैयारी, उत्पादन, पैकेजिंग, भंडारण, गुणवत्ता परीक्षण और परिवहनकृइन सभी जिम्मेदारियों को महिला समूहों ने अद्भुत दक्षता के साथ संभाल लिया। सिर्फ समूह सदस्य ही नहीं, बल्कि सहायक स्टाफ में भी महिलाओं को प्राथमिकता मिली, जिससे रोजगार के अवसर और बढ़े।

जल जीवन मिशन ने बदली गांव की तस्वीर, पानी की किल्लत झेलने वाले गांव में अब हर घर नल कनेक्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जल जीवन मिशन से गांवों की तस्वीर बदल रही है। इसने ग्रामीणों, खासकर महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला दिया है। हर साल पानी की किल्लत झेलने वाले गांवों में भी अब मिशन की बदौलत नल से हर घर स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। राजनांदगांव के डोंगरगढ़ विकासखंड के दूरस्थ वनांचल गांव घीकुड़िया में जल जीवन मिशन के तहत सोलर आधारित जल आपूर्ति की व्यवस्था ने गांव की सूरत बदल दी है। जल जीवन मिशन से घीकुड़िया में अब हर घर तक शुद्ध पेयजल की पहुंच सुनिश्चित हो गई है। इससे ग्रामीणों के जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। मिशन के अंतर्गत गांव में पानी टंकी का निर्माण, पाइपलाइन बिछाने तथा नल कनेक्शन के माध्यम से प्रत्येक घर तक जल पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। इस सुविधा से महिलाओं को काफी राहत मिली है, जिन्हें पहले पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। अब उन्हें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता और वे अपने अन्य कार्यों पर ज्यादा ध्यान दे पा रही हैं। घीकुड़िया में जल आपूर्ति की नई व्यवस्था से बच्चों की दिनचर्या में भी सार्थक बदलाव आया है। पहले जहां पानी लाने में समय व्यतीत होता था, वहीं अब बच्चे पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में अधिक समय दे पा रहे हैं। साथ ही गांव में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है, जिससे जलजनित बीमारियों में भी कमी आई है। ग्रामीणों ने पानी की महत्ता को समझते हुए हर घर नल के साथ जिम्मेदारी भी निभानी शुरू कर दी है।

हौसलों को मिला सहारा, दिव्यांगजनों की बदली जिंदगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम की योजनाएं आज हजारों दिव्यांगजनों के जीवन में उम्मीद की नई किरण बनकर उभर रही हैं।

राज्य सरकार की संवेदनशील पहल और सशक्त क्रियान्वयन ने दिव्यांगजनों को न केवल आर्थिक संबल दिया है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी प्रदान किया है।

रायपुर की श्रीमती गिरजा जलक्षेत्री इस बदलाव की जीवंत मिसाल हैं। 60 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद उन्होंने अपने आत्मविश्वास और शासन की योजना के सहारे अपने जीवन को नई दिशा दी। वर्ष 2017 में निगम से 1 लाख 75 हजार रुपये का ऋण लेकर उन्होंने ई-रिक्शा संचालन शुरू किया। कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने निरंतर परिश्रम किया और समय पर ऋण चुकाकर 25 प्रतिशत अनुदान का लाभ भी प्राप्त किया।

श्रीमती गिरजा जलक्षेत्री यहीं नहीं रुकीं उन्होंने आगे बढ़ते हुए 2 लाख 75 हजार रुपये का अतिरिक्त ऋण लेकर अपने कार्य का विस्तार किया। आज वे रायपुर के कोर्ट परिसर में चाय एवं नाश्ता केंद्र संचालित कर रही हैं। यह केंद्र सिर्फ उनका व्यवसाय नहीं, बल्कि कई अन्य दिव्यांगजनों के लिए रोजगार का माध्यम बन चुका है। वर्तमान में लगभग 10 दिव्यांगजन उनके साथ कार्य कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। राज्य सरकार की इस योजना के तहत दिव्यांगजनों को 10 हजार रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक का ऋण अत्यंत रियायती ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। महिला हितग्राहियों के लिए 5 प्रतिशत और पुरुषों के लिए 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर निर्धारित है। साथ ही, समय पर ऋण अदायगी करने पर 25 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान, इस योजना को और अधिक प्रभावी बनाता है।

इस योजना के माध्यम से राज्यभर में दिव्यांगजन किराना दुकान, सिलाई-कढ़ाई, फैंसी स्टोर, सायकल रिपेयरिंग, चाय-नाश्ता केंद्र जैसे अनेक छोटे-छोटे व्यवसाय स्थापित कर रहे हैं। इससे वे न केवल अपनी आजीविका चला रहे हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रहे हैं। रायपुर जिले में अब तक 187 से अधिक दिव्यांगजनों को इस योजना का लाभ मिल चुका है, जो इस पहल की सफलता को दर्शाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाने और ग्राम पंचायतवार कार्ययोजना बनाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाने और ग्राम पंचायतवार कार्ययोजना बनाएं। राज्य में जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमों के लिए सीएसआर मद की उपलब्ध राशि का उपयोग करना प्रस्तावित करें। छत्तीसगढ़ राज्य की जलवायु परिवर्तन पर कार्य योजना के लिए गठित स्टियरिंग समिति की बैठक आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केन्द्र, राज्य की जलवायु परिवर्तन पर कार्य योजना, राज्य में जलवायु परिवर्तन विषयक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और राज्य जलवायु परिवर्तन प्राधिकरण के गठन और राज्य में कार्बन क्रेडिट आधारित कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। विभागीय सचिवों से जलवायु परिवर्तन पर कार्ययोजना के क्रियान्वयन से संबंधित विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा ने जलवायु परिवर्तन की पृष्ठ भूमि, जलवायु परिवर्तन के कारक और छत्तीसगढ़ राज्य में भी जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव के संबंध में जानकारी दी। बैठक में पीसीसीएफश्री श्रीनिवास राव, एपीसीसीएफश्री सुनील मिश्रा शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केन्द्र के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में जलवायु परिवर्तन से संबंधित विविध कार्य किये जा रहें हैं। इनमें मुख्यतः वृक्षारोपण कार्य किये जा रहें हैं। एक पेड़ माँ के नाम योजना के तहत् करीब 7 करोड़ पौधारोपण किया जा चुका है। किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत् 3 करोड़ 68 लाख वृक्षारोपण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि आई.एस.एफआर. 2025 के अनुसार राज्य के वन एवं वृक्ष-आवरण में सर्वाधिक वृद्धि 683 किलोमीटर किया गया है, जो देश में प्रथम स्थान पर रहा है। राज्य में जलवायु परिवर्तन के तहत ई-वाहनों के चालन के लिए जन-सामान्य को प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को सोलर पम्प वितरित किये जा रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2025-2026 में लगभग 55 हजार 50 हेक्टेयर भूमि पर जैविक खेती की गई। राज्य में 300 से अधिक बांधों की हाईड्रोलॉजिकल प्लानिंग के साथ 24 वृहद एवं मध्यम जलाशयों का सेडिमेंटेशन सर्वे पूर्ण किया जा चुका है। राज्य में जलवायु परिवर्तन ज्ञान केन्द्र निर्मित किए जाने के लिए अधिकारियों ने अपने विचार रखें। बैठक में जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना के क्रियान्वयन के संबंध में कृषि एवं किसान कल्याण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, नगरीय प्रशासन, परिवहन, वाणिज्य एवं उद्योग, खनिज, ऊर्जा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, महिला एवं बाल विकास और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों अपने-अपने विभाग की जानकारी प्रस्तुत की। पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की विशेष सचिव सुश्री इफ्फत आरा सहित राज्य योजना आयोग, नाबार्ड, सेंटर फॉर एन्वायरमेंट एजुकेशन, इंडियन इंस्टयूट ऑफ साइंस और कृषि मौसम विज्ञान विभाग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी सहित राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

विधायक किरण देव ने मोबाइल ऐप से स्वयं की अपने परिवार की जनगणना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। तकनीक और नवाचार के इस दौर में डिजिटल इंडिया के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए जगदलपुर विधायक किरण देव ने सोमवार को एक अनुकरणीय पहल के तहत जनगणना 2026 में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की। उन्होंने भारत सरकार की जनगणना प्रक्रिया के तहत मोबाइल ऐप का उपयोग करते हुए अपने परिवार का विवरण स्वयं दर्ज किया।

विधायक ने इस आधुनिक प्रक्रिया को अपनाकर यह संदेश दिया कि राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण कार्यों में तकनीक का समावेश न केवल पारदर्शिता लाता है, बल्कि नागरिकों के समय और श्रम की भी बचत करता है। सोमवार को अपने निवास पर ऐप के माध्यम से जनगणना कार्य पूर्ण करने के बाद किरण देव ने स्थानीय नागरिकों और ग्रामीणों को इस प्रक्रिया से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि जनगणना केवल शासकीय आंकड़ों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह भविष्य की योजनाओं, संसाधनों के आबंटन और जन-कल्याणकारी नीतियों के निर्धारण का सबसे सशक्त आधार है। विधायक ने कहा कि मोबाइल ऐप के माध्यम से स्वयं जानकारी दर्ज करना बेहद सरल और सुरक्षित है, जिससे डेटा की सटीकता बनी रहती है।

उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे भी इस डिजिटल माध्यम का अधिक से अधिक उपयोग करें और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में जनगणना कार्य हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

गहने चोरी कर गलाया, 4.99 लाख का सोना बरामद, बिलासपुर पुलिस ने 20 दिनों तक मेरठ में डाला डेरा, गैंग का सदस्य गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। चार अपार्टमेंट में सिलसिलेवार चोरी करने वाले इंटर-स्टेट गैंग के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में चार अपार्टमेंट में सिलसिलेवार चोरी करने वाले इंटर-स्टेट गैंग के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शातिर चोर को पकड़ने के लिए पुलिस ने करीब 20 दिनों तक दिल्ली और मेरठ में डेरा डालकर लगातार तलाश की।

पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 4 लाख 99 हजार रुपए कीमत का करीब 35.34 ग्राम सोना बरामद किया है। आरोपी चोरी के बाद गहनों को पिघलाकर उनकी पहचान मिटा देता था। गैंग का दूसरा सदस्य दिल्ली की जेल में बंद है। इस गिरोह ने देशभर में 47 से ज्यादा चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

28 सितंबर 2025 को सिविल लाइन थाना क्षेत्र के साकेत अपार्टमेंट और रियल हेवन अपार्टमेंट में हुई चोरी की वारदात पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई थी। इस केस को सुलझाना आसान नहीं था, क्योंकि आरोपी बेहद शातिर तरीके से वारदात को अंजाम देते थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी रजनेश सिंह ने सिविल लाइन पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त स्पेशल टीम गठित की। टीम ने शहर भर के 300 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की जांच की और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सुराग जुटाए। जांच के दौरान आरोपी की पहचान मेरठ के समयपुर निवासी ताज मोहम्मद के रूप में हुई। उसे पकड़ने के लिए पुलिस टीम कई बार दिल्ली और मेरठ गई, लेकिन वह हर बार पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाता था। पुलिस टीम कई बार दिल्ली और मेरठ गई, लेकिन वह हर बार पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाता था। पुलिस की टीम कई बार दिल्ली और मेरठ गई, लेकिन हर बार चोर भाग जाते थे। इस बार पुलिस की टीम ने 20 दिन तक डेरा डाला। आरोपी बार-बार ठिकाना और मोबाइल नंबर बदलकर बचता रहा, लेकिन इस बार 24 अप्रैल की सुबह मुखबिर की सूचना पर उसे घेरकर पकड़ लिया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ताज मोहम्मद ने बताया कि वह अपने साथी के साथ बाइक से बिलासपुर आया था। दोनों ने पहले दो दिनों तक शहर में घूम-घूमकर फ्लैटों की रेकी की और सुनसान अपार्टमेंट्स को निशाना बनाया।

इसके बाद मौका मिलते ही उन्होंने ताले तोड़कर फ्लैट में प्रवेश किया और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने यह भी बताया कि चोरी के बाद जेवरों को चिमनी में गलाकर उनका स्वरूप बदल दिया जाता था, ताकि उनकी पहचान न हो सके। तीसरी वारदात के दौरान आसपास के लोगों को शक हो गया था। इस वजह से आरोपी मौके से तुरंत फरार हो गए थे।

ताज मोहम्मद को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की। इस दौरान उसके पास से गला हुआ सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 4 लाख 99 हजार रुपए बताई जा रही है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि उसका दूसरा साथी वसीम मोहम्मद पहले से ही दिल्ली में एक अन्य मामले में जेल में बंद है। उसे नियमानुसार प्रक्रिया पूरी कर जल्द ही बिलासपुर लाया जाएगा। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के दौरान और भी सोना बरामद होने की संभावना है, जिसके लिए आगे जांच जारी है। एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि आरोपी ताज मोहम्मद पर यूपी, दिल्ली, हरियाणा और छत्तीसगढ़ में 47 से ज्यादा चोरी और लूट के मामले दर्ज हैं। वह गिरोह का मास्टरमाइंड है और हर बार जेल से छूटकर नई जगह वारदात को अंजाम देता था। उससे पूछताछ कर पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की भी जानकारी जुटा रही है।

खास खबर

चोरी के सामान सहित आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। आजाद नगर क्षेत्र में पिछले दिनों एक मकान में घुसकर चोरी करने के मामले में पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से सोने चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। एक निजी कंपनी में काम करने वाला रशीद खान पिछले दिनों आवश्यक कार्य से अपने गृह प्रदेश बिहार गया हुआ था। पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार निधि अपने महंगे आभूषण रसीद के पास रख दिए थे ताकि सुरक्षित रहें। इस बीच रसीद के बिहार जाने के दौरान घर पर चोरी की घटना हुई जिसमें लगभग 10 लाख के आभूषण पार हो गए। बालको नगर पुलिस ने पीड़ित पक्ष की सूचना पर चोरी का मामला दर्ज करने के साथ जांच पड़ताल शुरू की। इसमें अलग-अलग एंगल को शामिल किया गया और गुप्तचरों से भी जानकारी हासिल की गई। आखिरकार पुलिस के हिस्से में सफलता आई है।

सूत्रों के अनुसार अमित देवांगन को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। वह निगरानी बदमाश कैटेगरी में रखा गया है और पहले भी उसके विरुद्ध कुछ मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि अमित के कब्जे से रसीद खान के घर से चोरी किया गया काफी सामान बरामद हुआ है। पुलिस का कहना है कि घटनाक्रम को लेकर उससे विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

अवैध शराब बेचने के मामले में ढाबा संचालक गिरफ्तार

कोरबा। जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में थाना/चैकी स्तर पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना कटघोरा क्षेत्रांतर्गत तानाखार स्थित नेशनल हाईवे पर संचालित कंचन ढाबा के विरुद्ध अवैध गतिविधियों को लेकर प्राप्त लगातार शिकायतों के आधार पर सख्त कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व ही उक्त ढाबे से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब जप्त कर ढाबा संचालक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। इसके बावजूद ढाबा संचालकों द्वारा पुलिस प्रशासन के निर्देशों की अवहेलना करते हुए अवैध गतिविधियां जारी रखी जा रही थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आज राजस्व विभाग के निर्देशानुसार कटघोरा पुलिस की उपस्थिति में भूमि स्वामी सुरेंद्र सिंह द्वारा ढाबा परिसर में ताला लगाकर विधिवत सीलिंग की कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा तथा संपूर्ण कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। थाना प्रभारी कटघोरा धर्मनारायण तिवारी द्वारा क्षेत्र के समस्त ढाबा संचालकों को सख्त चेतावनी दी गई है कि किसी भी प्रकार की अवैध शराब बिक्री अथवा सेवन की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पंचशील नगर में किशोर की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। पचपेड़ी नाका से सटे न्यू पंचशील नगर इलाके में एक किशोर की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल हत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। घटना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थानीय रहवासियों ने आधी रात सिविल लाइन थाने का घेराव भी किया। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

लव मैरिज करने वाले दंपति को हाईकोर्ट का संरक्षण, कोरबा एसपी को सुरक्षा के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रेम विवाह करने वाले एक नवदंपति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कोरबा एसपी को आदेश दिया है कि याचिकाकर्ताओं को किसी भी प्रकार की हानि न पहुंचे तथा उनके जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की विधिवत सुरक्षा की जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि दंपति कोई शिकायत करते हैं तो उस पर तत्काल जांच कर कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए।

मामला कोरबा जिले के कटघोरा क्षेत्र का है, जहां चिंटू अग्रवाल और अंजलि शर्मा ने आपसी सहमति से विवाह किया है। दोनों पड़ोसी थे और लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे, जिसके बाद उनके बीच प्रेम संबंध स्थापित हुआ और उन्होंने शादी करने का निर्णय लिया। युवती के परिवार ने इस विवाह का विरोध करते हुए दंपति को ऑनर किलिंग और झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकियां दीं। इन परिस्थितियों में दंपति ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर कर सुरक्षा की मांग की।

याचिकाकर्ताओं ने 27 फरवरी 2026 को राजस्थान के जयपुर स्थित आर्य समाज में विवाह किया और बाद में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष विवाह का विधिवत पंजीकरण भी कराया। दोनों बालिग हैं और अपनी स्वतंत्र इच्छा से विवाह करने के लिए कानूनी रूप से सक्षम पाए गए हैं। दंपति के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि शादी के बाद से उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं और पुलिस को लिखित शिकायत देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे उनके जीवन और स्वतंत्रता पर खतरा बना हुआ है।

वहीं राज्य शासन की ओर से प्रस्तुत पक्ष में कहा गया कि याचिका में लगाए गए आरोपों के आधार पर कोई स्पष्ट संज्ञेय अपराध नहीं बनता है और आरोप सामान्य एवं अस्पष्ट हैं, इसलिए याचिका खारिज किए जाने योग्य है। हालांकि, कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और स्पष्ट किया कि दो बालिग व्यक्तियों को अपनी पसंद से विवाह करने का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सुरक्षित है। डिवीजन बेंच ने अपने आदेश में संबंधित थाना प्रभारी और दंपति के परिजनों को निर्देशित किया कि वे उनके शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में किसी प्रकार का हस्तक्षेप न करें। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा गया कि अंतरजातीय और अंतरधार्मिक विवाह समाज के हित में हैं और ऐसे दंपतियों को किसी भी प्रकार की धमकी या उत्पीड़न से सुरक्षा मिलनी चाहिए।

तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी टक्कर, महिला की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। तोरवा क्षेत्र में बलिदानी वीर नारायण सिंह ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार कार ने आटो को सीधी टक्कर मार दी। हादसे में आटो सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति और आटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए।

कार चला रहे चिकित्सक को अचानक झपकी आ गई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सामने से आ रही ऑटो से जा भिड़ा। पुलिस ने आरोपित चिकित्सक को गिरफ्तार कर कार जब्त कर ली है। मस्तूरी क्षेत्र के ग्राम धनगवां निवासी रणजीत डहरिया अपनी पत्नी बिरस बाई के साथ गुजरात से रोजी-रोटी कमाकर वापस लौट रहे थे। सोमवार सुबह बिलासपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद उन्होंने गांव जाने के लिए ऑटो किराए पर लिया।

ऑटो लालखदान ओवरब्रिज पर पहुंचा था कि सामने से आ रही कार क्रमांक सीजी 04 बीए 3294 ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। कार को सिम्स में पदस्थ टिकेंद्र प्रसाद पटेल पिता दुर्योधन पटेल (29) निवासी ग्राम जम्हनीडीह थाना बसना जिला महासमुंद चला रहे थे। उन्हें अचानक झपकी आ गई ।

शराब दुकान में चोरी करने वाला चोर पकड़ाया

रायपुर। गोकुल नगर स्थित शासकीय शराब दुकान में सेंधमारी कर शराब और नगदी चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान अरुण यादव (22 वर्ष), निवासी ग्राम सकरी थाना पलारी जिला बलौदाबाजार के रूप में हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी दीपक बाघ ने थाना टिकरापारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 24 अप्रैल की रात करीब 11 बजे से 25 अप्रैल की सुबह 10 बजे के बीच संतोषी नगर गोकुल नगर स्थित अंग्रेजी शराब दुकान की दीवार तोड़कर अज्ञात आरोपी अंदर घुसा और एक पौवा अंग्रेजी शराब तथा नगदी रकम चोरी कर फरार हो गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त (वेस्ट जोन) संदीप पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा एवं सहायक पुलिस आयुक्त नवनीत पाटित ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। थाना टिकरापारा प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मरई के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई शराब और नगदी रकम बरामद की गई है।

49 लाख लेकर भागने वाला ड्राइवर रिश्तेदारों समेत पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

मामले में महिला समेत 7 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में 49 लाख रुपये लेकर फरार हुए ड्राइवर को पुलिस ने गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी ने अपने रिश्तेदारों और साथियों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में पुलिस ने एक महिला सहित कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रार्थी अखिलेश अग्रवाल ने थाना खम्हारडीह में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 25 अप्रैल 2026 को उनकी कंपनी का ड्राइवर कृष्णा साहू और एकाउंटेंट भूपेन्द्र देवांगन करीब 50 लाख रुपये लेकर कार से जा रहे थे। इसी दौरान गीतांजली नगर स्थित भारत माता मूर्ति के पास ड्राइवर ने गुटखा लेने के बहाने एकाउंटेंट को कार से उतार दिया और मौके का फायदा उठाकर नगदी सहित फरार हो गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन मयंक गुर्जर और क्राइम एवं साइबर डीसीपी स्मृतिक राजनाला के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपी की मूवमेंट ट्रैक की।लगातार दबिश और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी कृष्णा साहू को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने रिश्तेदारों और साथियों के साथ मिलकर पहले से ही योजना बनाई थी और रकम को आपस में बांट लिया था।पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 49 लाख 50 हजार रुपये नगद, घटना में प्रयुक्त कार और अन्य वाहन समेत कुल लगभग 66 लाख 50 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। साथ ही सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 306 और 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी - 01. कृष्णा साहू पिता स्व. हुलास राम साहू उम्र 30 साल निवासी ग्राम चुचरूंगपुर थाना मगरलोड जिला - धमतरी। हाल पता - ब्लॉक नंबर 16, मकान नं0- 25 बीएसयूपी कालोनी ढेबर सिटी के पास थाना टिकरापारा जिला रायपुर। 02. कन्हैया राणा पिता नंदलाल राणा उम्र 32 साल निवासी ग्राम परसदा थाना बागबाहरा जिला महासमुंद। हाल पता - वर्मापारा पेट्रोल पम्प के पास सेजबहार थाना मुजगहन जिला रायपुर। 03. सविता साहू पति स्व. दिलीप साहू उम्र 36 साल निवासी रेल्वे क्रासिंग के पास गोगांव सीतानगर थाना गुढियारी जिला रायपुर। 04. भुनेश्वर साहू पिता स्व. कुमार साहू उम्र 37 साल निवासी ग्राम कमरौद थाना मगरलोड जिला- धमतरी। हाल पता- वार्ड नं0- 12 श्रीराम चौक सुंदर नगर रावाभांठा थाना खमतराई जिला रायपुर। 05. ओम प्रकाश साहू पिता मुन्ना लाल साहू उम्र 38 साल निवासी- नीम चौक वार्ड नंबर 12 रावाभांठा थाना खमतराई जिला रायपुर। 06. विष्णु प्रसाद पटेल पिता कन्हैया लाल पटेल उम्र 34 साल निवासी ग्राम हल्दी थाना नंदनीनगर अहिवारा जिला दुर्ग। 07. टीकम पटेल पिता लेखन पटेल उम्र 25 साल निवासी ग्राम हरदी पोस्ट सेमरिया थाना नंदनीनगर जिला दुर्ग।

286 अवैध नल कनेक्शन चिंहित, 204 उपभोक्ताओं ने शुल्क दे दिया अब 82 की कटेगी सप्लाई

30 अप्रैल तक 5,000 में कराएं नियमितीकरण नहीं तो एक मई से देना होगा 14,200 फाइन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। नगर निगम द्वारा शहर में अवैध नल कनेक्शनों के विरुद्ध पहली बार सख्ती के साथ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 17 फरवरी से नगर निगम के पीएचई अमले द्वारा संचालित इस विशेष जांच अभियान के अंतर्गत अब तक शहर के विभिन्न वार्डों में 286 अवैध नल कनेक्शन चिन्हित किए गए हैं। इनमें से 204 उपभोक्ताओं ने निर्धारित शुल्क जमा कर अपने कनेक्शन वैध करा लिए हैं, जबकि 82 अवैध कनेक्शन काटे जा चुके हैं।

नगर निगम जल कार्य विभाग सभापति सुरेश गुप्ता ने बताया कि 18 मार्च 2026 की सामान्य सभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि 1 मई 2026 से अवैध नल कनेक्शन पाए जाने पर उसे वैध कराने हेतु 14,200 की राशि देय होगी। जबकि 30 अप्रैल तक मात्र 5,000 जमा कर अवैध कनेक्शन को वैध कराया जा सकता है।उन्होंने बताया कि शहर में लगभग 24,000 वैध नल कनेक्शनधारी नियमित रूप से जलकर शुल्क जमा कर रहे हैं। ईमानदार उपभोक्ताओं के हितों और सम्मान को ध्यान में रखते हुए निगम द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है ताकि जल वितरण व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाया जा सके। सुरेश गुप्ता ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि जिन परिवारों ने अब तक अवैध नल कनेक्शन ले रखे हैं, वे 30 अप्रैल तक आगे आकर अपने कनेक्शन नियमित करा लें और भारी जुर्माने से बचें।30 अप्रैल के बाद अवैध कनेक्शन पाए जाने पर निगम द्वारा 14,200 की राशि वसूली जाएगी।

नागरिक अपने क्षेत्र के पार्षद से संपर्क कर अथवा सीधे नगर निगम कार्यालय पहुंचकर अपने कनेक्शन को वैध करा सकते हैं।नगर निगम द्वारा अवैध नल कनेक्शनों के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा बकाया जलकर वसूली की कार्यवाही भी नियमित रूप से संचालित होती रहेगी। नगर निगम ने अपील किया है कि समय रहते कनेक्शन वैध कराएं और जुर्माने से बचें।

दुर्ग में सरकारी कर्मचारियों के लिए हेलमेट-सीट बेल्ट अनिवार्यः कलेक्टर ने जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन अब और सख्त नजर आ रहा है। कलेक्टर और जिला दण्डाधिकारी ने सभी शासकीय अधिकारी और कर्मचारियों के लिए साफआदेश जारी किए हैं कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीटबेल्ट लगाना अनिवार्य होगा।

इस आदेश का मकसद सड़क हादसों को कम करना और लोगों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। जारी आदेश के अनुसार जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोपहिया वाहन चलाते हैं, उन्हें हर हाल में हेलमेट पहनना होगा। वहीं चारपहिया वाहन चलाने वालों के लिए सीटबेल्ट लगाना जरूरी कर दिया गया है। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को भी जिम्मेदारी दी है कि वे अपने अधीन काम करने वाले कर्मचारियों से इन नियमों का पालन कराएं।

कलेक्टर अभिजित सिंह ने निर्देश में स्पष्ट कहा है कि जारी आदेश का पालन करवाने की जिम्मेदारी सभी विभाग प्रमुखों की होगी। सभी विभाग प्रमुख अपने अधीनस्थ कर्मचारी-अधिकारी से यह नियम का पालन करवाना अनिवार्य होगा। बताया जा रहा है कि अगर कोई कर्मचारी नियमों का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी हो सकती है।

दुर्ग-भिलाई में चालान काटने में ट्रैफिक पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। सुबह-शाम प्रमुख चौक-चौराहों पर चालान काटे जा रहे हैं, लेकिन शहर में अभी लोग बिना हेलमेट और सीटबेल्ट के वाहन चलाते नजर आ रहे हैं। पुलिस केवल चालान तक सीमित है, लेकिन लोगों को हेलमेट लगाने के लिए जागरूक नहीं कर पा रही है। दूसरी ओर शासकीय कर्मचारी नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं।

हाईटेंशन टावर पर चढ़ा युवक

कोरबा। पसान थाना क्षेत्र के पटेल पारा (समेरा) गांव में एक युवक ने घरेलू विवाद के चलते हाईटेंशन बिजली टावर पर चढ़कर आत्महत्या की कोशिश की। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, केवल सिंह (24) सुबह करीब 11 बजे टावर पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर युवक को समझाने का प्रयास किया।

करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर लगभग 1 बजे युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। समय रहते बड़ी अनहोनी टल गई।

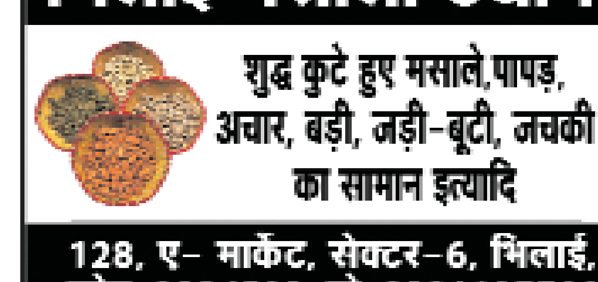

प्रमुख खबरें

आर्मरेसलिंग में 64 स्वर्ण विजेता श्रीमंत को राज्यपाल ने दी बधाई

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से 64 अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता पैरा आर्मरेसलर श्रीमंत झा ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने हाल ही में नार्वे के ईदफ्योर्ड में आयोजित हुए पैरा आर्मरेसलिंग कप 2026 प्रतियोगिता में 85 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर देश का नाम रोशन किया है। छत्तीसगढ़ के भिलाई के निवासी श्रीमंत झा एक प्रसिद्ध भारतीय पैरा-आर्मरेसलर (विकलांग कुश्ती खिलाड़ी) हैं। वे एशिया नंबर-1 और वर्ल्ड नंबर-3 के रूप में पहचान रखते हैं। श्री झा ने राज्यपाल को अपनी उपलब्धियों की जानकारी दी। श्री डेका ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी तथा उनका सम्मान किया।

जनगणना के लिए रात्रि चौपाल के माध्यम से कर रहे जागरूक

कोण्डागांव। जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान गणना का शुभारंभ 01 मई से होने जा रहा है, जो 30 मई तक चलेगा। इस संबंध में कोण्डागावं जिले में ग्रामीणों को जागरूक करने हेतु निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम बड़ेकनेरा में रात्रि चौपाल के माध्यम से ग्रामवासियों को जनगणना के प्रति जागरूक किया जा रहा है। ग्राम सरपंच प्रकाश चुरगिया रात्रि चौपाल में स्थानीय बोली हल्बी में ग्रामीणों को जनगणना के महत्व की जानकारी दी गई। वेणुगोपाल राव द्वारा स्वगणना की चरणबद्ध प्रक्रिया के बारे में बताया गया। इस दौरान बताया गया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण में 01 मई से प्रगणक द्वारा घर-घर जाकर मकान गणना की जाएगी। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे सही एवं पूर्ण जानकारी प्रगणकों को समय सीमा में उपलब्ध कराएं।

विश्व प्रसिद्ध तेंदुवा धाम में श्रीराम कथा का भव्य शुभारंभ

धान ही नहीं, सेवा, समर्पण और आस्था की भूमि भी है छत्तीसगढ़ - मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

शिवरीनारायण। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण स्थित राम मिलेंगे आश्रम, तेंदुवा धाम कुरियारी में आयोजित 9 दिवसीय श्रीराम कथा में शामिल हुए। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ आश्रम पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने पद्म विभूषण से सम्मानित जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन भूमि सदैव भगवान श्रीराम के चरणों से धन्य रही है। उन्होंने वनवास काल में भगवान श्रीराम के आगमन और माता शबरी की अद्भुत भक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि इस धरती ने आस्था, समर्पण और विश्वास की अनूठी परंपरा को सहेज कर रखा है। उन्होंने कहा कि तेंदुवाधाम आज धार्मिक और सांस्कृतिक जागरण का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है, जहां हजारों श्रद्धालु एक साथ श्रीराम कथा का श्रवण कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर को अत्यंत सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि एक ही मंच से अनेक संतों का सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त होना विशेष अनुभव है। उन्होंने आश्रम परिसर में हरिवंश औषधालय एवं पंचकर्म केंद्र, श्री राम-जानकी मंडपम, हरिवंश वैदिक पाठशाला, मां दुर्गा गौ मंदिर और हनुमत प्रवेश द्वार सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्थानों के लोकार्पण पर आश्रम प्रबंधन और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ 'धान का कटोरा' होने के साथ-साथ सेवा, समर्पण और आस्था की भूमि भी है। उन्होंने अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण के दौरान छत्तीसगढ़ से 11 ट्रक चावल और चिकित्सकों की टीम के वहां पहुंचने का उल्लेख करते हुए इसे प्रदेशवासियों की गहरी श्रद्धा का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भगवान श्रीराम भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं, जो देश की सांस्कृतिक एकता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला दर्शन योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालु अयोध्या धाम के दर्शन कर लाभान्वित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और जवानों के अदम्य साहस से आज प्रदेश से नक्सलवाद समाप्त हो चुका है तथा राज्य में शांति, विकास और सामाजिक समरसता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' यहां की संस्कृति और जीवन मूल्यों की सच्ची पहचान है।

इस अवसर पर परमपूज्य वासुदेवनंद सरस्वती महाराज, किन्नर अखाड़ा प्रमुख मां टीना सहित अनेक संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति में विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया।

राघव सेवा समिति के प्रमुख डॉ. अशोक हरिवंश ने बताया कि माता शबरी की जन्मभूमि शिवरीनारायण में 'कलिंग शैली' में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण किया जा रहा है।

इस आश्रम में औषधालय, वैदिक विद्यालय, गौ मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर, गीता वाटिका, शबरी रसोई और निर्धन कन्या विवाह जैसी अनेक सामाजिक-धार्मिक पहल संचालित हो रही हैं। कार्यक्रम के तहत विभिन्न वर्गों - दिव्यांगजन, रक्तदाता, कुष्ठ रोगी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को समर्पित विशेष दिवस भी आयोजित किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में बनने लगीं संबलपुरी साड़ियां, ओडीशा में बढ़ी मांग

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। ग्रामोदय बुनकर सहकारी समिति ने अपने सामूहिक प्रयास, मेहनत और दूरदृष्टि के बल पर ऐसी सफलता की कहानी रची है, जो न केवल आर्थिक उन्नति का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि ग्रामीण महिलाएँ यदि अवसर और सहयोग प्राप्त करें, तो वे किसी भी क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर सकती हैं। धमतरी जिले के छोटे से ग्राम नारी में आज आत्मनिर्भरता, परंपरा और नवाचार का एक अद्भुत संगम देखने को मिलता है। कभी सीमित संसाधनों और अवसरों वाला यह गाँव अब ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक मिसाल बन चुकी है।

नारी गाँव में पहले बुनाई प्रमुख आजीविका नहीं थी, लेकिन पड़ोसी राज्य ओडिशा में संबलपुरी साड़ियों की बढ़ती मांग को देखते हुए समिति ने इस क्षेत्र में कदम रखा। संबलपुरी साड़ियाँ अपनी विशेष इकत डिजाइन और आकर्षक रंगों के लिए जानी जाती हैं, जिन्हें बनाने के लिए उच्च कौशल और धैर्य की आवश्यकता होती है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समिति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासकीय वस्त्र उत्पादन कार्यक्रम अंतर्गत नियमित रूप से धागा प्रदाय किया जा रहा है, जिससे बुनकरों को नियमित रोजगार तथा समितियों को सुचारु संचालन हेतु सेवा प्रभार के रूप मे आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही नवीन बुनाई प्रशिक्षण तथा बुनकरों को नवीन करघा वितरण से उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ी है। इस सहयोग से समिति आर्थिक रूप से सशक्त हुई है तथा बाजार मांग के अनुरूप वस्त्र तैयार कर पा रही हैं।

आज ग्रामोदय बुनकर सहकारी समिति ग्राम नारी द्वारा तैयार की गई साड़ियों की बिक्री मुख्य रूप से ओडिशा के बाजारों में होती है। वर्तमान मे समिति द्वारा माह मे 300-400 साड़ियों का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे समिति का मासिक कारोबार लगभग 3 से 4 लाख रुपये तक पहुँच चुका है, जो ग्रामीण स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि है।

इस पहल ने न केवल आय के स्रोत को बढ़ाया है बल्कि, महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता दी है तथा सामूहिक निर्णय लेने की क्षमता विकसित की है। जो महिलाएँ पहले इस कार्य से अनभिज्ञ थीं, वे आज कुशल बुनकर बन चुकी हैं और आत्मविश्वास के साथ उत्पादन में योगदान दे रही हैं। पूर्व मे शासकीय वस्त्र उत्पादन से जो महिलाएं प्रतिदिन 300-350 रुपये कमाती थी, वे आज 550-600 रुपये काम रही है। भविष्य मे अतिरिक्त कौशल उन्नयन प्रशिक्षण तथा दक्षता से वे 1000-1200 रुपये प्रतिदिन कमाने मे सक्षम हो सकेंगी।

ग्राम नारी की यह सहकारी समिति आज मजबूती से बढ़ रही है। यदि इसे आगे ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग और नए बाजारों तक पहुँच मिले, तो यह और भी बड़े स्तर पर अपनी पहचान बना सकती है। यह कहानी दर्शाती है कि जब सरकारी सहयोग और समुदाय की मेहनत साथ आती है, तो छोटे गाँव भी सफलता की बड़ी मिसाल बन सकते हैं।

इसरो के यंग साइंटिस्ट प्रोग्राम में चयनित हिमांशी का सम्मान

रायपुर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित यंग साइंटिस्ट प्रोग्राम में चयनित होकर राज्य का मान बढ़ाने वाली स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कन्नेवाड़ा की छात्रा हिमांशी साहू को बालोद कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने सम्मानित किया। बालोद के संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान हिमांशी साहू की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की भूरी-भूरी सराहना करते हुए उन्होंने इसे पूरे जिले के लिए गौरव बताया। कलेक्टर ने हिमांशी साहू को प्रशस्ति पत्र के अलावा शॉल, श्रीफल भेंटकर उनका सम्मान किया। कलेक्टर ने हिमांशी को कड़ी मेहनत कर जीवन में उपलब्धि हासिल करने की सीख भी दी। हिमांशी ने 96 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा 8वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है। हिमांशी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित यंग साइंटिस्ट प्रोग्राम में पूरे राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय तथा संपूर्ण बालोद जिला का नाम रोशन किया है। श्रीमती मिश्रा ने हिमांशी के पिता अभय कुमार व सहिता को भी सम्मानित कर उनकी सुपुत्री की महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मनरेगा से बदल रही गांवों की तस्वीर

चेक डैम से जलसंरक्षण, किसानों को साल भर सिंचाई के लिए मिलने लगा पानी, रोजगार में वृद्धि

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देते हुए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास अब जमीनी स्तर पर सकारात्मक परिणाम देने लगे हैं। विशेष रूप से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत निर्मित चेक डैम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ किसानों के जीवन में स्थायी बदलाव ला रहे हैं।

बलरामपुर जिले के जनपद पंचायत राजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बदौली एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है, जहां चेक डैम निर्माण ने जल संकट से जूझ रहे गांव को जल समृद्ध और आत्मनिर्भर बना दिया है।

पहले बदौली गांव के किसान पूरी तरह वर्षा पर निर्भर थे। बारिश की अनिश्चितता के कारण फसल उत्पादन प्रभावित होता था और गर्मी के मौसम में जल संकट के चलते खेती करना मुश्किल हो जाता था। कई किसानों को आजीविका के लिए पलायन करना पड़ता था। चेक डैम निर्माण के बाद अब गांव में जल का प्रभावी संग्रहण होने लगा है। न केवल भू-जल स्तर में वृद्धि हुई है, बल्कि कुओं और हैंडपंपों को भी नया जीवन मिल गया है।

चेक डैम से सीधे तौर पर 20 से 25 किसानों को सालभर सिंचाई की सुविधा मिल रही है।

परिणामस्वरूप किसान अब पारंपरिक फसलों के साथ-साथ सब्जियों एवं नगदी फसलों की खेती भी कर रहे हैं। पहले जहां एक फसल पर निर्भरता थी, अब दो से तीन फसलें लेकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर रहे हैं।

गांव के किसान श्री ईश्वर और कपिल बताते हैं कि चेक डैम बनने के बाद खेती आसान हो गई है और अब वे आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए भी प्रेरित हो रहे हैं। खेती में बढ़ी उत्पादकता ने न केवल उनकी आय बढ़ाई है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव लाया है।

चेक डैम निर्माण से गांव में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। मनरेगा के तहत स्थानीय स्तर पर काम मिलने से ग्रामीणों को अपने ही गांव में रोजगार मिला, जिससे पलायन में कमी आई है।

राज्य में जल संरक्षण की इस तरह की पहलें ग्रामीण विकास के नए आयाम स्थापित कर रही हैं। बदौली जैसे गांव इस बात का प्रमाण हैं कि यदि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए, तो ग्रामीण क्षेत्र भी साधन और संसाधन के मामले में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ सकते हैं।

प्रेरक कहानी : सिलफिली का मालती बनीं 'लखपति दीदी'

स्व-सहायता समूह से जुड़कर बुटीक के साथ ही शुरू किया श्रृंगार का व्यापार, 14 को दिया रोजगार

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। महिलाओं को केन्द्र में रखकर संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं का परिणाम है कि आज सूरजपुर जिले के सिलफिली गांव की मालती विश्वास ने न केवल स्वयं को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि 14 अन्य महिलाओं को भी रोजगार का अवसर प्रदान कर पूरे क्षेत्र में प्रेरणा की एक नई मिसाल कायम की है। आज वे 'लखपति दीदी' के रूप में पहचानी जाती हैं।

एक समय था जब मालती विश्वास भी सामान्य ग्रामीण महिलाओं की भांति घर तक सीमित थी और आर्थिक रूप से दूसरों पर निर्भर थीं। परंतु आज उनकी पहचान एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित हो चुकी है। उनकी यह यात्रा संघर्ष, सीख और आत्मविश्वास का प्रतीक बन गई।

मालती बताती हैं कि उन्हें बचपन से ही सिलाई का शौक था और वे घर पर छोटे-मोटे सिलाई कार्य कर थोड़ी बहुत आमदनी कर लिया करती थीं। इसी दौरान गांव की अन्य महिलाओं एवं उनकी माँ ने उन्हें महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने की सलाह दी। माँ ने समझाया कि समूह से जुड़ने पर न केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी मिलती है, बल्कि आर्थिक सहयोग भी प्राप्त होता है।

माँ की प्रेरणा से वर्ष 2018 में मालती ने स्वयं सहायता समूह की सदस्यता ग्रहण कर अपने जीवन की नई शुरुआत की। शुरुआत में उन्होंने समूह की गतिविधियों को समझा और धीरे-धीरे आत्मविश्वास अर्जित करते हुए समूह से 1 लाख रुपए का प्रथम ऋण लेकर बुटीक व्यवसाय की नींव रखी।

व्यवसाय के प्रति समर्पण एवं ग्राहकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मालती ने हिम्मत का परिचय देते हुए 5 लाख रुपए का द्वितीय ऋण लिया। इस पूंजी से उन्होंने बुटीक के साथ-साथ श्रृंगार सामग्री एवं कपड़ों के व्यापार का भी विस्तार किया और अपने उद्यम को एक सुदृढ़ आधार प्रदान किया।

आज मालती का व्यवसाय सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है और उनके साथ 14 अन्य महिलाएं भी जुड़कर रोजगार प्राप्त कर रही हैं। ये महिलाएं सिलाई, कढ़ाई एवं अन्य कार्यों के माध्यम से अपनी आय बढ़ाते हुए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना रही हैं। मालती कहती हैं कि समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन आया है और अब वे प्रतिवर्ष लाखों रुपए की आमदनी कर रही हैं।

मालती अपनी इस उपलब्धि का श्रेय सरकार की योजनाओं एवं मुख्यमंत्री को देती हैं। वे कहती हैं कि सही मार्गदर्शन एवं अवसर मिले तो ग्रामीण महिलाएं भी किसी से कम नहीं हैं।

जागरूक हुए किसान - पारम्परिक खेती का बदल रहा चेहरा

फूलों की खेती में लागत कम-आमदनी अधिक, बदले हालात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। परंपरागत खेती (गेहूं-धान) की तुलना में फूलों की खेती कम लागत में 3-4 गुना तक अधिक मुनाफा दे रही है। गेंदा, गुलाब और गुलदाउदी जैसे फूलों की 12 महीने मांग होने से किसान हर सीजन में बंपर कमाई कर रहे हैं। कम पूंजी से शुरू होकर, यह व्यवसाय प्रति हेक्टेयर लाखों रुपये का शुद्ध लाभ दे रहा है, जिससे किसान आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। शादी, पार्टी, त्यौहार और धार्मिक आयोजनों में फूलों की मांग साल भर बनी रहती है, जिससे अच्छी कीमत मिलती हैं।

राज्य शासन की योजनाओं का लाभ लेकर रायगढ़ जिले के किसान अब परंपरागत खेती से आगे बढ़ते हुए उद्यानिकी फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। इसी कड़ी में लैलूंगा विकासखंड के ग्राम गमेकेरा निवासी किसान ईश्वरचरण पैकरा ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन से फूलों की खेती अपनाकर अपनी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि की है। किसान की सफलता आज सबके लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

श्री पैकरा पहले परंपरागत रूप से धान की खेती किया करते थे, जिसमें मेहनत के मुकाबले आय सीमित थी। वर्ष 2025-26 में उन्होंने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में 0.400 हेक्टेयर भूमि पर गेंदा फूल की खेती शुरू की। विभाग द्वारा तकनीकी सहयोग एवं आवश्यक मार्गदर्शन मिलने से उन्होंने वैज्ञानिक पद्धति से खेती की, जिसका परिणाम बेहद सकारात्मक रहा।

जहां पहले धान की खेती से उन्हें लगभग 11 क्विंटल उत्पादन मिलता था और सीमित आय होती थी, वहीं फूलों की खेती से उन्हें करीब 38 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। इस उत्पादन से उनकी कुल आमदनी लगभग 3 लाख 4 हजार रुपये तक पहुंच गई। लागत निकालने के बाद उन्हें लगभग 2 लाख 59 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ, जो पारंपरिक धान की खेती की तुलना में कई गुना अधिक है।

फूलों की खेती में सफलता मिलने के बाद श्री पैकरा का आत्मविश्वास बढ़ा है। वे बताते हैं कि कम समय में अधिक लाभ मिलने के कारण अब वे इस खेती को और विस्तार देने की योजना बना रहे हैं।

उनके खेत में खिले गेंदा फूलों की रंगीन पंक्तियां आज उनकी मेहनत और सफलता की कहानी बयां करती हैं। उनकी इस उपलब्धि को देखकर गांव के अन्य किसान भी अब उद्यानिकी फसलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं और विभाग से संपर्क कर फूलों की खेती अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। इस प्रकार राज्य शासन की योजनाएं न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हो रही हैं, बल्कि कृषि के स्वरूप में भी सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

उपमुख्यमंत्री शर्मा के अनुदान से एक बार फिर सपनों ने भरी उड़ान, नहीं छूटेगी रंजना की पढ़ाई

श्रीकंचनपथ समाचार

कबीरधाम। जिले में बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उप मुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आर्थिक सहायता प्रदान कर एक प्रेरणादायक पहल की है। उन्होंने जरूरतमंद छात्राओं की पढ़ाई में सहयोग करते हुए ग्राम हरमो निवासी भारती साहू को 2 लाख रुपए तथा ग्राम चिल्फी निवासी रंजना झारिया को 25 हजार रुपए की राशि प्रदान की। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देश पर उक्त राशि के चेक प्रदान किए गए। इस अवसर पर नरेन्द्र मानिकपुरी, अमर कुर्रे, ओमकार साहू, लोकचंद साहू, मिलू साहू उपस्थित रहे।

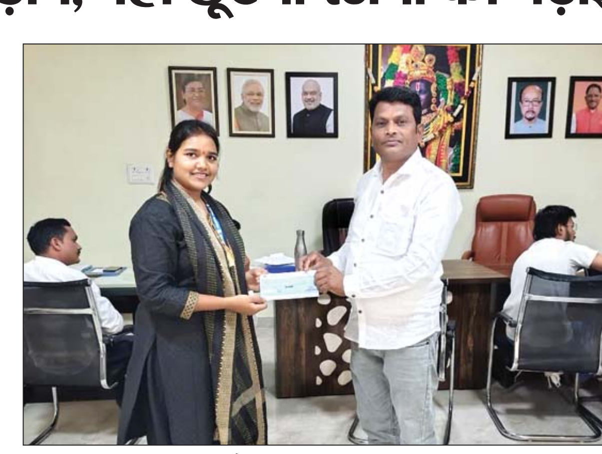

रंजना झारिया ने बताया कि उनके पिता के निधन के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई थी, जिसके कारण उनकी पढ़ाई बीच में ही छूट गई थी। उन्होंने कहा कि जब उन्हें जानकारी मिली कि कवर्धा विधायक विजय शर्मा जरूरतमंदों की मदद करते हैं, तब उन्होंने उनसे संपर्क कर अपनी समस्या बताई। श्री शर्मा ने 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। रंजना ने बताया कि इस सहायता से वह अब दोबारा नर्सिंग की पढ़ाई शुरू कर सकेंगी और अपने भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगी। उन्होंने इसके लिए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मदद उनके जीवन में नई उम्मीद लेकर आई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950